RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 103 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 07-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी पहले से हार के बहाने तलाश रहे : शिवराज

6 उचित समय रहते पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

7 अनुष्का शेट्टी ने महिला केंद्रित फिल्मों के जरिए बनाई अलग पहचान

फर्स्ट टेक

उडुपी में सामूहिक गीता पाठ में शामिल होंगे प्रधानमंत्री मोदी

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक महीने तक चलने वाले वृहद गीतोत्सव भक्ति कार्यक्रम के तहत 28 नवंबर को उडुपी के श्री कृष्ण मठ में सामूहिक गीता पाठ में प्रतिभाग करेंगे। पुतिगे मठ के श्री सुगुनेन्द्र तीर्थ स्वामी ने यह जानकारी दी। सुगुनेन्द्र तीर्थ स्वामी ने कहा कि आठ नवंबर से सात दिसंबर, 2025 तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामूहिक रूप से गीता के एक लाख श्लोक का पाठ करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दोपहर में गीता पाठ के अंतिम चरण में शामिल होंगे और साथ ही वह स्वर्ण से मढ़े तीर्थ मंडप और पुनर्निर्मित कनकना किंदी सहित हाल ही में पूर्ण किए गए विरासत जीर्णोद्धार कार्यों का उद्घाटन भी करेंगे। स्वामी ने कहा कि तटीय और मलनाड क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

सूडान के अर्धसैनिक बल ने शांति प्रस्ताव पर सहमति जतायी

काहिरा/एपी। सूडानी सेना के साथ दो साल से अधिक समय से युद्धरत देश के अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ)' ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह एक मानवीय संघर्ष विराम पर सहमत हो गया है, जिसका प्रस्ताव अमेरिका के नेतृत्व वाले मध्यस्थता समूह ने किया है। यह मध्यस्थता समूह 'क्वाड' के रूप में भी जाना जाता है। प्रस्ताव पर सहमति आरएसएफ द्वारा अल-फशर शहर पर कब्ज़ा करने के एक हफ़्ते बाद बनी है। यह सूडान के पश्चिमी दारफ़ुर क्षेत्र में सूडानी सेना का आखिरी गढ़ भी था। आरएसएफ के बयान में कहा गया है, ''रैपिड सपोर्ट फोर्सेज भी समझौते के क्रियान्वन तथा सूडान में शत्रुता समाप्त करने की व्यवस्थाओं और राजनीतिक प्रक्रिया को दिशा देने वाले मूलभूत सिद्धांतों पर तुरंत चर्चा शुरू करने के लिए आशान्वित है, ताकि संघर्षों के मूल कारणों का समाधान हो सके और सूडान के लोगों की पीड़ा समाप्त हो सके।''

पाकिस्तान और अफगान तालिबान की शांति वार्ता इस्तांबुल में शुरू हुई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच बृहस्पतिवार को इस्तांबुल में शांति वार्ता शुरू हुई, जिसका उद्देश्य सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे से निपटना और दोनों पक्ष के बीच तनाव को बढ़ने से रोकना है। सीमा पर तैनात सैनिकों के बीच 11 अक्टूबर को हुई झड़प में दोनों पक्षों को जनहानि हुई थी।

देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं अवैध घुसपैठिए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल में हत्या, नरसंहार और बलात्कार जैसी घटनाएं आम थीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में 'बाहुबलियों' के लिए कोई जगह नहीं है।

बेतिया (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए न केवल देश के नागरिकों के रोजगार छीनते हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राज्य को घुसपैठियों से मुक्त करने का अवसर है।

पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल में हत्या, नरसंहार और बलात्कार जैसी घटनाएं आम थीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में 'बाहुबलियों' के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मखाना बोर्ड की स्थापना की, लेकिन अगर 'लालू एंड कंपनी' की सरकार बनी तो वे 'घुसपैठिया घुसाओ बोर्ड' बना देंगे।

शाह ने घोषणा की कि अगर राज्य में राजग की सरकार बनी तो चंपारण में एक नया हवाईअड्डा बनाया जाएगा, क्षेत्र की सभी बंद चीनी मिलों को सहकारी समितियों के माध्यम से फिर से शुरू किया जाएगा और थारू समुदाय के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएंगी।

महागठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि अगर 'ठगबंधन' सत्ता में आया तो चंपारण 'मिनी चंबल' में बदल जाएगा।

उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को विकास, सुरक्षा और सुशासन के मार्ग पर बनाए रखने के लिए राजग को वोट दें।

कोच्चि में सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक का जलावतरण किया

कोच्चि/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को भारतीय नौसेना के तीसरे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित बड़े सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक का जलावतरण किया। एडमिरल त्रिपाठी ने जलावतरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आईएनएस इक्षक भारतीय नौसेना का 2025 में कमीशन हुआ दसवां प्लेटफॉर्म है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्धृत करते हुए कहा, जब वैश्विक समुद्र में उथल-पुथल होती है, तो विश्व एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करता है। भारत मजबूती और स्थिरता के साथ यह भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना इस दृष्टिकोण का प्रतीक है। इक्षक, महिलाओं के लिए विशेष आवास व्यवस्था के साथ डिजाइन किया गया पहला बड़ा सर्वेक्षण पोत है, जो समावेशिता और आधुनिकीकरण के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इक्षक नामक यह जहाज़ 110 मीटर लंबा है और इसका वजन (विस्थापन) 3,400 टन है।

सरकार जल्द ही टिकाऊ विमानन ईंधन नीति लाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार बहुत जल्द ही टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) पर एक नीति लेकर आएगी। इससे कच्चे तेल के आयात को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अधिक हरित रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय राजधानी में एक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएएफ (टिकाऊ विमानन ईंधन) को अपनाने के लिए अधिक नवाचार, निवेश एवं सामूहिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है।

भारत का लक्ष्य 2027 तक विमान ईंधन में एसएएफ का एक प्रतिशत, 2028 तक दो प्रतिशत तथा 2030 तक पांच प्रतिशत मिश्रण करना है। एसएएफ का उपयोग विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) में 'ड्रॉप-इन' ईंधन के रूप में किया जा सकता है जो विमानों को शक्ति प्रदान करता है।

मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के अलावा निजी कंपनियों को भी एसएएफ उत्पादन में शामिल होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर 2040 तक एसएएफ की आवश्यकता 18.3 करोड़ टन होने का अनुमान है। नायडू ने कहा, '' कच्चे माल से लेकर ईंधन तक, किसानों से लेकर विमान चालकों तक तथा तलने से लेकर उड़ान भरने तक... वास्तव में किसने सोचा होगा कि समोसे तलने वाले भी इस पूरे वैश्विक विमानन आंदोलन (एसएएफ पर) में हिस्सा ले सकते हैं।'' भारत में 75 करोड़ टन से अधिक 'बायोमास' उपलब्ध है और लगभग 21.3 करोड़ टन अधिशेष कृषि अवशेष है। नायडू ने कहा कि सरकार बहुत जल्द एक एसएएफ नीति लेकर आएगी। मंत्री ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अलावा, एसएएफ किसानों की आय में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि करके उन्हें सशक्त बना सकता है।

भारत का खोया गौरव वापस लाएं युवा, जाति और धर्म के विभाजन से दूर रहें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बृहस्पतिवार को युवाओं से भारत को अतीत की तरह एक महान देश बनाने और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव का त्याग करने का आह्वान किया।

वायुसेनाध्यक्ष कर्णावती विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ''मुझे जिम्मेदारी के पहलू पर बोलने दीजिए। हमें इस देश को महान बनाना है। हम कभी दुनिया में अग्रणी थे, लेकिन पिछली कुछ शताब्दियों में हम पिछड़ गए। अगर हमें फिर से अच्छा करना है, तो आप जैसे लोग ही महत्वपूर्ण होंगे, जो इस देश का भविष्य हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। कोई सामाजिक विभाजन नहीं होना चाहिए, क्योंकि जो भी हमें बांटता है वह अच्छा नहीं है। हमारी रगों में एक ही खून बहता है और हम सभी एक ही देश के हैं। जाति या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। तभी हमारा देश प्रगति करेगा।''

एयर चीफ मार्शल सिंह ने छात्रों से कहा कि कुछ भी बनने से पहले उन्हें करुणा, ईमानदारी, निष्ठा और नि:स्वार्थता जैसे गुणों वाला अच्छा इंसान बनने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा, ''टीम के रूप में कार्य करना बहुत महत्वपूर्ण है। याद रखें कि हम सभी एक बड़ी व्यवस्था का हिस्सा हैं। हम सभी दीवार में लगी ईंटों की तरह हैं। हम सभी को अपना कर्तव्य निभाना होगा। यह राष्ट्र आपसे और मुझसे बना है। अगर हम भारत को महान बनाना चाहते हैं, तो हमें पहले खुद को बेहतर इंसान बनाना होगा।'' वायुसेनाध्यक्ष ने लोगों से समाज को कुछ वापस देने के बारे में सोचने का आग्रह किया।

''प्रत्येक सैनिक वर्दी में नागरिक है और प्रत्येक नागरिक बिना वर्दी के सैनिक है'' जैसे वाक्यांश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कुछ प्रयास और समय राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित किया जाना चाहिए।

जम्मू कश्मीर में आतंकी साजिश नाकाम, हथियारों के साथ तीन गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर पुलिस ने बृहस्पतिवार को श्रीनगर में एक गैर-स्थानीय नागरिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद जब्त कर आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, शहर के डलगेट इलाके में ममता चौक के पास नियमित जांच के दौरान बिना पंजीकरण संख्या वाली एक मोटरसाइकिल को रोका गया। उन्होंने बताया कि जब रुकने का संकेत दिया गया तो चालक और पीछे बैठे दो यात्रियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शाह मुतैयब और कामरान हसन शाह के रूप में हुई है, जो श्रीनगर के कुलीपोरा खानयार इलाके के निवासी हैं। इसके अलावा, मोहम्मद नदीम उत्तर प्रदेश के मेरठ का निवासी है और वर्तमान में खानयार के कावा मोहल्ला में रहता है। प्रवक्ता ने बताया कि तलाशी के दौरान एक देशी कट्टा और नौ कारतूस जब्त किए गए।

बिहार विधानसभा चुनाव

बिहार में करीब 65 फीसदी की वोटिंग

'सुशासन बनाम सबको नौकरी' की जंग का मंच तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को 121 सीटों पर लगभग 65 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। इस ऐतिहासिक मतदान ने लगभग 20 वर्षों से सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के बीच 'सुशासन बनाम सबको नौकरी' की जंग को निर्णायक मोड़ पर ला दिया है।

निर्वाचन आयोग ने अपने बयान में कहा, ''बिहार के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ और पूरे राज्य में मतदान शांतिपूर्ण एवं उत्सव जैसे माहौल में संपन्न हुआ।''

राजग, जो पिछले दो दशकों से (कुछ अंतराल को छोड़कर) सत्ता में है, अपने 'सुशासन' और विकास के रिकॉर्ड पर भरोसा जता रहा है, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों के साथ अपने 'हर घर रोजगार' के वादे पर जनता को आकर्षित करने की कोशिश में हैं।

बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे इन चुनावों को स्थानीय राजनीति के साथ-साथ 2029 के आम चुनाव से पहले जनता के रुझान का संकेतक भी माना जा रहा है। यह चुनाव विवादित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हो रहे हैं, जिसे लेकर विपक्ष ने निर्वाचन आयोग पर ''धांधली'' और ''मतदाता सूची में गड़बड़ी'' के आरोप लगाए थे।

पहले चरण के बाद दूसरा और अंतिम चरण 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। पहले चरण में कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें राजद के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित कई मंत्री शामिल हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर किया दावा

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

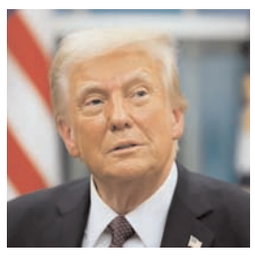

ट्रंप ने यह भी दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच मई में तब ''शांति स्थापित'' हुई जब उन्होंने दोनों परमाणु सशस्त्र देशों को धमकी दी कि अगर वे अपना सैन्य संघर्ष जारी रखते हैं तो वह (ट्रंप) उनके साथ व्यापार समझौते रद्द कर देंगे।

न्यूयॉर्क/भाषा। अक्सर विरोधाभासी बयान देने के लिए पहचाने जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब दावा किया है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये विमान किस देश के थे।

ट्रंप ने बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान मार गिराए गए विमानों की संख्या सात के बजाय आठ बतायी। अब तक वह यही कहते रहे हैं कि संघर्ष के दौरान सात विमान मार गिराए गए थे। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान और भारत...मैं उन दोनों के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा था और तभी...मैंने सुना कि वे युद्ध करने जा रहे हैं। सात विमान मार गिराए गए और आठवां विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया... कुल मिलाकर आठ विमान मार गिराए गए।'' ट्रंप ने यह भी दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच मई में तब ''शांति स्थापित'' हुई जब उन्होंने दोनों परमाणु सशस्त्र देशों को धमकी दी कि अगर वे अपना सैन्य संघर्ष जारी रखते हैं तो वह (ट्रंप) उनके साथ व्यापार समझौते रद्द कर देंगे।

ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकने के बाद से कई बार अपना यह दावा दोहराया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया, ''मैंने कहा, यह युद्ध है...'जब तक आप शांति के लिए सहमत नहीं होते तब तक मैं आप लोगों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा। दोनों देशों ने कहा, 'बिल्कुल नहीं। इसका व्यापार से कोई लेना-देना नहीं है...' मैंने कहा, 'इसका हर चीज से लेना-देना है। आप परमाणु शक्ति संपन्न हैं। मैं आपके साथ व्यापार नहीं करूंगा। अगर आप एक-दूसरे के साथ लड़ेंगे तो हम आपके साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।'' उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ''एक दिन बाद मुझे फोन आया कि 'हमने शांति स्थापित कर ली है।' वे रुक गए। मैंने कहा, 'धन्यवाद। चलो व्यापार करते हैं।' क्या यह बढ़िया नहीं है? शुल्क (टैरिफ) के कारण ऐसा हुआ... टैरिफ के बिना, यह कभी नहीं होता।''

ट्रंप ने कहा कि आठ महीनों में उन्होंने कोसोवो और सर्बिया तथा कांगो और रवांडा सहित आठ युद्धों को समाप्त कर दिया, जो लंबे समय से जारी थे।

ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान वाशिंगटन की मध्यस्थता में ''देर रात'' तक चली बातचीत के बाद ''पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम'' पर सहमत हो गए हैं।

सुलभ एआई के लिए 'वाइब कोडिंग' यूके का वर्ड ऑफ द ईयर बना

लंदन/भाषा। हमारे दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रसार और पहुंच को ध्यान में रखते हुए, 'कोलिन्स डिक्शनरी' ने वाइब कोडिंग को वर्ष का शब्द घोषित किया। वाइब कोडिंग एक उभरता हुआ सॉफ्टवेयर है, जो एआई का इस्तेमाल करके प्राकृतिक भाषा को कंप्यूटर कोड में बदल देता है, यह शब्द टेस्ला में एआई के पूर्व निदेशक और ओपनएआई के संस्थापक इंजीनियर आंद्रेज कारपथी द्वारा गढ़ा गया था, जिसका उद्देश्य यह वर्णन करना था कि कैसे एआई किसी व्यक्ति को एक नया ऐप बनाने में सक्षम बना सकता है, जबकि वह यह भूल सकता है कि कोड मौजूद भी है। इस वर्ष लोकप्रिय होने वाले अन्य शब्दों में शामिल हैं 'ग्लेज', जिसका अर्थ है किसी की अत्यधिक या अनुचित रूप से प्रशंसा या चापलूसी करना, या जानबूझकर एक विशिष्ट और करिश्माई व्यक्तित्व का निर्माण करना, जो अनिवार्य रूप से अच्छा दिखने की कला है। कोलिन्स के प्रबंध निदेशक एलेक्स बीक्रॉफ्ट ने कहा, कोलिन्स के वर्ष के शब्द के रूप में 'वाइब कोडिंग' का चयन इस बात को पूरी तरह से दर्शाता है।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के तीन शहरों पर हवाई हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी लेबनान के कई शहरों पर हवाई हमले किये। इससे पहले इजराइली अधिकारियों ने इन शहरों के निवासियों से वहां से चले जाने का आग्रह किया था।

ये हवाई हमले हिज्बुल्ला द्वारा लेबनान सरकार से इजराइल के साथ बातचीत न करने का आग्रह करने के कुछ घंटों बाद किए गए।

इजराइल के अधिकारी अविचाय अद्राई ने सीमा के पास स्थित तैयबा, तटीय शहर तायरे के पूर्व में स्थित तायर देब्बा और ऐता अल-जबल के निवासियों को उन आवासीय भवनों से 500 मीटर दूर चले जाने की चेतावनी दी, जिन्हें वे निशाना बना रहे हैं। इजराइली अधिकारी का कहना है कि इन भवनों का इस्तेमाल हिज्बुल्ला द्वारा किया जाता है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने इन क्षेत्रों में हिज्बुल्ला के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

07-11-2025 सूर्यास्त 5:40 बजे | 08-11-2025 सूर्योदय 6:04 बजे

BSE	NSE
83,311.01	25,509.70
(-148.14)	(-87.95)

सोना	चांदी
12,620 रु.	164,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

द्वैष राग

पीछा ना छोड़े कभी भूत,
कब्रों से उखड़ेंगे मुर्दे।
भयभीत नहीं होंगे वे ही,
मजबूत बने जिनके गुर्दे।
आलाप रहे हैं द्वैष राग,
बेसुरे कंठ अपने सुर दे।
अब सिखा रहे हैं बीज मंत्र,
चेले ही गुरुओं को गुर दे।

बैंक सुनिश्चित करें शाखा कर्मचारी स्थानीय भाषा जानें : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए शाखा कर्मचारियों के लिए स्थानीय भाषा की जानकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राहकों से जुड़ाव कम होने से क्रेडिट सूचना कंपनियों पर निर्भरता बढ़ गई है। ये कंपनियां आंकड़े अद्यतन करने में लंबा समय लेती हैं, जिसके कारण ग्राहकों को कर्ज देने से मना कर दिया जाता है।

स्थानीय भाषा न बोलने पर बैंक अधिकारियों के राजनीतिक दलों के गुस्से का सामना करने की कई घटनाओं के बाद उन्होंने यह बात कही है। मंत्री ने नियुक्ति और मानव संसाधन नीतियों में बदलाव की भी वकालत की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय भाषा बोलने वाले लोगों की भर्ती की जाए और उनका बेहतर मूल्यांकन भी हो। सीतारमण ने एसबीआई के एक कार्यक्रम में कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए भर्ती करें कि शाखा में

तैनात प्रत्येक कर्मचारी अपने ग्राहक को समझे और स्थानीय भाषा बोले। कम से कम, अगर शीर्ष प्रबंधन नहीं बोलता है, तो शाखा स्तर के अधिकारी को बोलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं स्थानीय भाषा में उनकी दक्षता के आधार पर उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने पर जोर दूंगी।'' सीतारमण ने कहा कि जिस 'एकमात्र आलोचना' का वह बचाव नहीं कर सकतीं, वह है विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न मातृभाषाओं के लोगों को नियुक्त न करने की नीति। उन्होंने यह याद दिलाया कि किसी बैंक के लिए अपना व्यवसाय चलाने के लिए स्थानीय ग्राहक आवश्यक है।

वित्त मंत्री ने कहा, ''ग्राहकों के साथ जुड़ाव होना बैंकों के लिए वृद्धि के दृष्टिकोण से भी आवश्यक है और याद दिलाया कि कैसे पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों ने राष्ट्रीयकरण से पहले इस तरह का जुड़ाव स्थापित किया था।'' सीतारमण ने कहा कि बेहतर तकनीक को व्यक्तिगत स्पर्श के साथ मिलाना अतीत की एक विशेषता रही है। सीतारमण ने कहा कि व्यक्तिगत संपर्क की कमी के कारण ऐसी स्थितियां भी पैदा हुई हैं जहां बैंक शाखा स्थानीय ग्राहक को नहीं जानती। उन्होंने कहा कि पहले, एक बैंक अधिकारी जानता था कि कौन कर्ज लेने योग्य है और कौन विश्वसनीय है, जो अब नहीं है। इसके बजाय, बैंक बाहरी क्रेडिट सूचना कंपनियों पर निर्भर रहते हैं, जो अपने रिकॉर्ड अद्यतन करने में लंबा समय लेती हैं, जिसके कारण ऋण देने से मना भी कर दिया जाता है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को जल्द देंगे अंतिम रूप : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोटोरुआ (न्यूजीलैंड)/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे जल्द ही अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड के चार-दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए गोयल एफटीए पर जारी बातचीत में हुई प्रगति की मेजबान देश के व्यापार मंत्री टॉड मैकक्ले के साथ समीक्षा कर रहे हैं। गोयल ने कहा, मेरा मानना है कि यह ऐतिहासिक दौरा है क्योंकि हम एफटीए को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं का सम्मान कर रहे हैं। व्यापार वार्ता में लगी दोनों देशों की टीमें अधिकांश मुद्दों पर सहमति बना चुकी हैं। उन्होंने कहा, कुछ ही बिंदु रह गए हैं और उन पर चर्चा जारी है। सहयोग की भावना के साथ अधिकांश मुद्दों का समाधान हो चुका है। वार्ता कल भी जारी रहेगी और हमें उम्मीद है कि काफी प्रगति होगी। न्यूजीलैंड के साथ 1.5 अरब डॉलर के मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में एफटीए की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री ने कहा कि यह समझौता व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा।

पिछले एक साल में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10% बढ़ा है, जो हमारी अर्थव्यवस्थाओं के आकार को देखते हुए बड़ी उपलब्धि है। हम ऐसा समझौता करने की दिशा में प्रयासरत हैं जो न्यूजीलैंड में भारतीय कारोबारियों और भारत में रुचि रखने वाले न्यूजीलैंड के उद्यमों दोनों के लिए अवसर पैदा करे।

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में ओडिशा में शीर्ष पर आंका गया कीट डीम्ड विश्वविद्यालय

भुवनेश्वर। क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी के प्रकाशित रैंकिंग 2026 में कीट डीम्ड विश्वविद्यालय को ओडिशा के सभी निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का दर्जा मिला है। कीट ने एशिया में 294वां स्थान हासिल किया है, जिससे उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा और भी मजबूत हुई है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भी कीट को भारत के शीर्ष निजी विश्वविद्यालयों में स्थान मिला है। हर साल क्यूएस द्वारा विश्वभर के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग जारी की जाती है। इस वर्ष प्रकाशित एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में कीट-डीयू ने ओडिशा में निजी और सरकारी दोनों श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है और पूर्वी भारत में भी अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा है। यह उपलब्धि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कीट की उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को दर्शाती है। इस बार 1,500 से अधिक एशियाई विश्वविद्यालयों ने इस रैंकिंग में भाग लिया, जिनमें 555 नए विश्वविद्यालय शामिल थे। हाल ही में जारी टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भी कीट को भारत में पांचवां सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय घोषित किया गया था, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 501 समूह (लेहेंगे) में शामिल रहा। रैंकिंग का मूल्यांकन शोधपत्र उद्धरण, संकाय शोधपत्र, शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, पीएचडी धारक स्टाफ, अंतर्राष्ट्रीय शोध नेटवर्क, अंतर्राष्ट्रीय छात्र और शिक्षक, आउटबाउंड एक्सचेंज और नियोक्ता प्रतिष्ठा जैसे कई मानकों पर आधारित है।

प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण उत्तराखंड की संस्कृति का अभिन्न अंग : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण को उत्तराखंड की संस्कृति का अभिन्न अंग बताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि हमारे पूर्वजों ने मानव और प्रकृति के सहअस्तित्व की जो विचारधारा दी, वह आज भी हमारी जीवनशैली का आधार है।

नैनीताल जिले के रामनगर में उत्तराखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के तहत आयोजित 'जन वन महोत्सव' का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव जनता और जंगलों के बीच अटूट रिश्ते का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह रिश्ता हमें सिखाता है कि विकास तभी सार्थक है, जब पारिस्थितिकी और आर्थिकी के बीच सामंजस्य बना रहे। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों में प्रदेश ने प्रकृति, संस्कृति और विकास का संतुलन बनाए रखते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार पारिस्थितिकी, आर्थिकी और प्रौद्योगिकी के संतुलन पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वन्य जीव संरक्षण के लिए प्रदेश में जीपीएस ट्रैकिंग, ड्रोन से निगरानी, श्वान दल जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। धामी ने कहा कि राज्य में 'इको-टूरिज्म मॉडल' पर तेजी से काम किया जा रहा है ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलें और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय पार्क के बिजरानी, गर्जिया और ढिकुली जोन को आधुनिक रूप में विकसित किया गया है जिससे हजारों ग्रामीणों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रकृति के बारे में जानकारी रखने वाले गाइड, ड्रोन पायलट, वन्यजीव फोटोग्राफर, वन्यजीव पर्यटन आधारित कौशल को उद्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है जिससे युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके ।

सेबी मूल्यांकन संबंधी चिंताओं पर हस्तक्षेप नहीं करेगा : पांडेय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं करेगा। पांडेय ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, '' हम मूल्यांकन का निर्धारण नहीं करते। यह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है।''

लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताए जाने के कुछ दिन बाद आई इस टिप्पणी में पांडेय ने स्पष्ट किया कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि बाजार को अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण स्वतंत्र रूप से करना चाहिए। अतीत में भी, कई हितधारकों द्वारा मूल्यांकन संबंधी चिंताएं उठाई गई हैं। खासकर से नए युग या डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका या पेटीएम के आईपीओ के मामले में। इस बीच, एक्सीलेंस इनेबलर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक व प्रबंधन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक ''प्रामाणिक'' होना चाहिए।

'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान के पहले चरण के समापन पर ध्वजारोहण कार्यक्रम करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ अपने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान के पहले चरण के समापन के अवसर पर आगामी नवंबर को सभी प्रदेश मुख्यालयों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित करेगी।

पार्टी के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि अब तक कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत करके भाजपा द्वारा की गई वोट चोरी के खिलाफ पांच करोड़ से ज़्यादा हस्ताक्षर एकत्र किए हैं। वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि ''लोकतंत्र की हत्या'' के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने वाले लोगों के हस्ताक्षर बाद में भारत के राष्ट्रपति को सौंपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि बुधवार को पार्टी महासचिवों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अभियान का पहला चरण शनिवार (8 नवंबर) को सभी राज्य मुख्यालयों पर ध्वजारोहण कार्यक्रमों के साथ समाप्त होगा।

बेरोजगारी चरम पर, पीएम नए-नए भाषणों के 'आविष्कार' में लगे रहते हैं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि देश में बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समस्या को सुलझाने के बजाय जनता का ध्यान भटकाने के लिए नए-नए भाषणों के आविष्कार में लगे रहते हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी' (सीएमआईई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि बेरोजगारी दर 7.5% के स्तर पर पहुंच चुकी है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पिछले 11 वर्षों के कुशासन में सभी वर्गों पर चौतरफा मार पड़ी है। छात्र, युवा, किसान, मज़दूर, कामगार, दुकानदार, कर्मचारी, व्यापारी- एक भी वर्ग इस सरकार से खुश नहीं है। महंगाई आसमान छू रही है, रुपए की क़ीमत लगातार गिर रही है और अमीर-गरीब के बीच का अंतर बढ़ता ही जा रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का जीवन दूभर हो गया है।'' उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी बेहद चिंता का विषय बन गई है। कांग्रेस नेता ने कहा, '' सीएमआईई की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक़ अक्टूबर 2025 में देश की बेरोजगारी दर बढ़कर 7.5 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो बीते छह महीनों में सबसे ऊंचा स्तर है। निर्माण और आईटी-बैंकिंग समेत कई सेक्टर में लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। निर्माण उद्योग में 90 लाख से ज़्यादा लोगों ने काम खोया है, जबकि वेतनभोगी नौकरियों की संख्या 25 लाख कम हो गई है।''

रमेश ने दावा किया कि 11 वर्ष में हर बार ऐसे डरावने आंकड़े सामने आए हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को मानो देश के युवाओं से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया प्रधानमंत्री हमेशा चुनावी मोड में रहकर, बेरोजगारी की समस्या को सुलझाने के बजाय जनता का ध्यान भटकाने के लिए नए-नए भाषणों के आविष्कार में लगे रहते हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री उपचुनाव अभियान के दौरान मुसलमानों के तुष्टीकरण में लिप्त हैं : राव

हैदराबाद/भाषा। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में मुस्लिम समुदाय के वोट हासिल करने के लिए तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं।

राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी चुनाव प्रचार के दौरान टोपी पहनकर 20 प्रतिशत मुसलमानों के वोट के लिए रेवंत उद्दीन बन गए हैं। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यह साफ है कि उनके (रेड्डी के) बयान वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा हैं। वह कहते हैं कि मुसलमानों को सम्मान कांग्रेस की वजह से मिला है। लेकिन कांग्रेस ने मुसलमानों को वोट बैंक समझकर उनके सम्मान को ठेस पहुंचाई है। असली सवाल यह है कि क्या कांग्रेस मुसलमानों को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार और आवास उपलब्ध करा रही है या नहीं। राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस भी वही नीतियां अपना रही है और दोनों दल 20 प्रतिशत मुस्लिम मतों के लिए 80 प्रतिशत हिंदुओं की उपेक्षा कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा था कि उन्होंने पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का विरोध क्यों किया।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

सलूर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के पार्वतीपुरम मन्यम जिले में सुनकी घाट रोड पर बृहस्पतिवार सुबह ओडिशा जा रही एक सरकारी बस में आग लग गई, लेकिन वाहन चालक की त्वरित कार्रवाई की बदौलत बड़ा हादसा टल गया और सभी 10 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पार्वतीपुरम मन्यम जिले की सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अंकिता सुराना ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ओडिशा जा रही आरटीसी बस में आज सुबह सुनकी घाट रोड से गुजरते समय आग लग गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

सुराना के अनुसार, बस चालक ने बताया कि इंजन में चिंगारी निकलने से आग लगी, जिसका कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट था। उन्होंने बताया कि इंजन की जांच करने पर, वाहन चालक ने चिंगारी देखी और तुरंत यात्रियों को सूचित किया, जो फौरन नीचे उतर गए। पुलिस ने कहा कि चालक की त्वरित प्रतिक्रिया से एक बड़ा हादसा टल गया। दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। सुराना ने कहा कि आग लगने का सही कारण पता लगाने के लिए तकनीकी निरीक्षण किया जा रहा है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारक पराली जलाना

नई दिल्ली/भाषा। पराली जलाना दिल्ली में पीएम-2.5 (पार्टिकुलेट मैटर) प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण बनने की संभावना है तथा इसके चलते बृहस्पतिवार को हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच सकती है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी वायु गुणवत्ता बुलेटिन के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह शहर में धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 रहा। केंद्र ने पूर्वानुमान लगाया है कि छह से आठ नवंबर के बीच वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच सकती है। आगामी छह दिनों के पूर्वानुमान से यह भी संकेत मिलता है कि शहर की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहेगी।

इस बीच, डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 के स्थानीय और बाहरी स्रोतों के दैनिक औसत योगदान का आकलन बताते हैं कि पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण बृहस्पतिवार को दिल्ली के पीएम 2.5 में 21.5 प्रतिशत रहेगा, जो शुक्रवार को बढ़कर 36.9 प्रतिशत और शनिवार को 32.4 फीसदी तक पहुंच सकता है। बुधवार को यह योगदान मात्र 1.2 प्रतिशत था। उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों से पता चला कि बुधवार को पंजाब में पराली जलाने के 94 मामले, हरियाणा में 13 और उत्तर प्रदेश में 74 मामले सामने आए। पराली जलाने के बाद, गाड़ियों से निकलने वाला धुआं दूसरा सबसे बड़ा कारक हो सकता है, जो बृहस्पतिवार को 16.2 प्रतिशत रह सकता है, जबकि यह शुक्रवार को 11.2 फीसदी और शनिवार को 12.3 प्रतिशत हो सकता है।

राहुल गांधी का 'हाइड्रोजन बम' सिर्फ पटाखा साबित हुआ : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कथित वोट चोरी को लेकर दिया गया ''हाइड्रोजन बम'' वाला बयान अंततः एक ''छोटा पटाखा'' साबित हुआ है।

फडणवीस ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ऐसा एजेंडा चलाते प्रतीत होते हैं जो उन विदेशी ताकतों से मेल खाता है जो भारत के लोकतंत्र को अस्थिर करना चाहती हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही ''वोट चोरी'' को लेकर ''हाइड्रोजन बम'' जैसे खुलासे करेगी। दिल्ली में बुधवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने ''एच-फाइल्स'' नामक प्रस्तुति दिखाते हुए आरोप लगाया था कि 2024 का हरियाणा विधानसभा चुनाव ''चुराया गया'' था। उन्होंने दावा किया था कि मतदाता सूची में 25 लाख प्रविष्टियां फर्जी हैं और निर्वाचन आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर उसकी जीत सुनिश्चित की। कांग्रेस नेता के वोट चोरी के आरोपों के बारे में पूछने पर फडणवीस ने कहा, ''राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम बहुत कमजोर निकला, दरअसल यह एक छोटा पटाखा था।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जो कर रहे हैं और उनका एजेंडा, दोनों उन अंतरराष्ट्रीय ताकतों से मेल खाते हैं जो नहीं चाहतीं कि भारत में लोकतंत्र सही ढंग से चले। ये ताकतें देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लोगों के भरोसे को कमजोर करना चाहती हैं और राहुल गांधी भी वही कर रहे हैं।''

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मराठवाड़ा दौरे पर फडणवीस ने कहा कि किसान कर्जमाफी जैसे मुद्दों पर महायुति सरकार की आलोचना करने के उनके प्रयास आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर हैं। फडणवीस ने कहा, ''मुझे खुशी है कि उद्धव ठाकरे बाहर निकल रहे हैं, क्योंकि जब वह मुख्यमंत्री थे और किसान कठिनाई में थे तब वह घर से बाहर नहीं निकले थे। कम से कम अब उन्हें एहसास हुआ कि जनता के बीच जाना जरूरी है। लेकिन जनता जानती है कि वह आगामी चुनावों के कारण उनके पास जा रहे हैं।'' महाराष्ट्र में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव दो दिसंबर को होने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त-सितंबर में आई बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज की राशि उनके खातों में जमा की जा रही है। उन्होंने कहा ''शेष किसानों को भी जल्द ही रकम दी जाएगी।'' फडणवीस ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि उद्धव ठाकरे के इस दौरे से उन्हें जनता का समर्थन मिलेगा, चाहे वे कितनी भी कोशिश क्यों न करें।''

पूजा — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और क्षेत्र के लोगों के लिए प्रार्थना की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रियासी जिले में 5,200 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस गुफा मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल सिन्हा ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों ने कहा कि सिन्हा ने सभी की भलाई तथा जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

तेलंगाना में चींटियों के डर से महिला ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में 25 वर्षीय महिला ने चींटियों के डर के कारण अपने घर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना चार नवंबर को हुई। महिला की शादी 2022 में हुई थी और उसकी करीब तीन साल की बेटी है। वह साड़ी के सहारे पंखे से लटकी हुई मिली। पुलिस के मुताबिक, उन्हें बताया गया है कि महिला बचपन से ही चींटियों से डरती थी और उसकी पहले भी पैतृक शहर मंचेरियल के एक अस्पताल में कांउसलिंग की गई थी।

केजरीवाल ने बूटा सिंह पर 'जातिसूचक' टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस नेता वड़िंग पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तरन तारन (पंजाब)/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री दिवंगत बूटा सिंह के खिलाफ कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की 'जातिवादी' टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की 'मानसिकता' को दर्शाता है। केजरीवाल तरनतारन विधानसभा उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू के लिए प्रचार कर रहे थे। तरनतारन में 11 नवंबर को मतदान होगा।

वड़िंग का नाम लिए बिना केजरीवाल ने कहा कि पंजाब प्रदेश कांग्रेस के एक 'बड़े नेता' ने बूटा सिंह के खिलाफ गलत टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने जो शब्द इस्तेमाल किया, उसे वह यहां दोहरा नहीं सकते। दिल्ली के पूर्व

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक रोड शो के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''हम इन टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हैं। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि यह कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है।'' वड़िंग ने तरन तारन उपचुनाव के सिलसिले में कांग्रेस उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए बूटा सिंह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसके बाद वह प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के नेताओं के निशाने पर आ गये ।

इस मामले को लेकर आलोचनाओं के बाद वड़िंग ने सोमवार को 'बिना शर्त माफी' मांगी और कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता बूटा सिंह उनके लिए पिता समान हैं।

कल प्रधानमंत्री मोदी करेंगे वाराणसी की यात्रा, चार 'वंदे भारत' ट्रेन को दिखायेंगे हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ नवंबर को वाराणसी का दौरा करेंगे और चार नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पीएमओ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह विश्वस्तरीय रेलवे सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को आसान, तेज एवं अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने में एक और मील का पत्थर है। इस दौरान भारत के आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, प्रधानमंत्री मोदी आठ नवंबर को सुबह लगभग सवा आठ बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे और चार नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलूरु मार्गों पर चलेंगी।

यह विश्वस्तरीय रेलवे सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को आसान, तेज व अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने में एक और मील का पत्थर है...

बयान के अनुसार, बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस इस मार्ग पर सीधा संपर्क स्थापित करेगी और वर्तमान में संचालित विशेष ट्रेन की तुलना में लगभग दो घंटे 40 मिनट की बचत करेगी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत परियोजना वाराणसी, प्रयागराज और चित्रकूट समेत भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ेगी। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को बहुत लाभ होगा। साथ ही रुड़की होते हुए हरिद्वार तक उनकी पहुंच भी बेहतर होगी। फिरोज़पुर-दिल्ली वंदे भारत इस रूट पर सबसे तेज़ चलने वाली ट्रेन होगी। यह एक्सप्रेस ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी और बठिंडा एवं पटियाला सहित पंजाब के प्रमुख शहरों के बीच संपर्क को मजबूत करेगी।

दक्षिण भारत में, एर्नाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत से इस मार्ग पर ट्रेन यात्रा के समय में दो घंटे से अधिक कमी आयेगी। रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित अनुसार, एर्नाकुलम जंक्शन और केएसआर बेंगलूरु के बीच एक नई वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी।

ट्रेन संख्या 06652 एर्नाकुलम जंक्शन - केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल 08.00 बजे एर्नाकुलम जंक्शन से रवाना होगी और उसी दिन 17.50 बजे केएसआर बेंगलूरु पहुंचेगी। इस ट्रेन में 8 कोच होंगे। और यह ट्रेन एर्नाकुलम से रवाना होकर त्रिशूर, पक्काड़, कोयम्बटूर, तिरुपुर, ईरोड, सेलम, केआर पुरम होते हुए केएसआर बेंगलूरु पहुंचेगी।

सबरीमला मुद्दे पर प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप की मांग को लेकर भाजपा हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझीकोड। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य महासचिव एम टी रमेश ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि पार्टी सबरीमला मुद्दे पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हस्तक्षेप की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। रमेश ने आरोप लगाया कि सबरीमला से हाल में हुई सोने की चोरी के पीछे एक बड़ी साजिश है और दावा किया कि माकपा का राज्य मुख्यालय 'एकेजी सेंटर' इसके केंद्र में है।

उन्होंने कहा कि केरल उच्च न्यायालय की हाल की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि श्रीकोविल के दरवाजे में पाया गया सोना और एक अंतरराष्ट्रीय रैकेट की संदिग्ध संलिप्तता ने स्पष्ट कर दिया है कि मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं हो सकता। रमेश ने कहा, एक बड़ी साजिश रची गई है। इसे सिर्फ त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। सरकार की संलिप्तता स्पष्ट है। भाजपा ने पहले भी यह मुद्दा उठाया था और अब उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह की चिंता जताई है।

उन्होंने कहा, सबरीमला में दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। केंद्र को मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। हम एक करोड़ लोगों के हस्ताक्षर लेंगे और इन्हें प्रधानमंत्री को सौंपेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि माकपा द्वारा नियुक्त पूर्व देवस्वओम आयुक्त को बचाया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि उस व्यक्ति को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

रमेश ने घटना की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराये जाने की मांग दोहराते हुए कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की अपनी सीमाएं हैं, क्योंकि यह राज्य सरकार के अधीन काम करता है। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर अभियान 10 से 20 नवंबर तक चलेगा और इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना घरों में जाएंगे और आगामी तीर्थयात्रा सत्र की तैयारी कर रहे श्रद्धालुओं से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत 10 से 15 नवंबर तक राज्यभर में 25 स्थानों पर अयप्पा संरक्षण संगम आयोजित किए जाएंगे।

रमेश ने यह भी मांग की कि मंदिर का प्रबंधन श्रद्धालुओं को सौंप दिया जाये। उन्होंने कहा, ''केरल में देवस्वओम बोर्ड लुटेरे समूहों में बदल गए हैं। मंदिरों की संपत्ति लूटी जा रही है। नास्तिक लोग बोर्ड चला रहे हैं और मंदिर की संपत्तियों को केवल धन और कीमती सामान समझ रहे हैं। भक्तों को मंदिरों का प्रबंधन करने का अधिकार देने के लिए एक कानून होना चाहिए।'' केरल भाजपा नेता बी गोपालकृष्णन की टिप्पणी, जिसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कथित तौर पर उद्धृत किया है, के बारे में रमेश ने कहा कि इस मुद्दे ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है।

उन्होंने कहा, ''गोपालकृष्णन को राहुल गांधी को इतना प्रचार देने के लिए चाय पिलानी चाहिए। हम सभी जानते हैं कि उन्होंने किस संदर्भ में यह टिप्पणी की थी। गांधी के पास उद्धृत करने के लिए और कुछ नहीं है।'' रमेश ने कहा कि गोपालकृष्णन का मतलब केवल इतना था कि कोई भी व्यक्ति निर्वाचन आयोग द्वारा निर्दिष्ट वैध प्रमाण के साथ अपना नाम मतदाता सूची में जोड़ सकता है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''एसआईआर प्रणाली मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने के लिए शुरू की गई थी। वह इस पर आपत्ति क्यों कर रहे हैं। समस्या यह है कि राहुल गांधी अक्सर महत्वपूर्ण समय के दौरान देश से अनुपस्थित रहते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग दोनों मतदाता सूची में कई अनियमितताओं में शामिल थे। उन्होंने कहा, ''पेरुम्बवूर में एक पूरा बूथ दूसरे राज्यों के लोगों से बना है। राहुल गांधी को यहां आकर संवाददाता सम्मेलन करना चाहिए। हम उन्हें पूरी जानकारी देंगे।''

भाजपा ने सभी को वंदे मातरम कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर, प्रत्येक नागरिक को पूरे भारत में अपने घरों में वीरतापूर्ण राष्ट्रगान को खुशी से प्रतिध्वनित करना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि तमिलनाडु भाजपा इस 150वें महोत्सव को जनता के साथ मिलकर भव्य रूप से मनाने के लिए तैयार है। हम सभी नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे प्रधानमंत्री के आह्वान का पालन करें और अपने परिवार के साथ भाजपा के कार्यक्रमों में भाग लें। 7 नवंबर को, अपने घरों, मोहल्लों और कार्यालयों में, परिवारों, बच्चों, रिश्तेदारों, मित्रों और सहकर्मियों के साथ वंदे मातरम गाएँ, इसकी भावना का आनंद लें और इसे सोशल मीडिया पर साझा करें।

हमारे राष्ट्र की एकता और श्रद्धा की चिरस्थायी भावना को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अक्टूबर में हमारे पवित्र राष्ट्रगीत, वंदे मातरम की गौरवशाली 150वीं वर्षगांठ मनाने का संकल्प लिया है।

अमर बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित, देशभक्ति का एक सशक्त आह्वान, यह पावन गान, प्रत्येक भारतीय के हृदय में भक्ति की ज्योति प्रज्वलित करता रहता है और माँ भारती के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

एसआईआर से केवल भ्रम पैदा होगा, लोगों को सतर्क रहना चाहिए : तमिलनाडु कांग्रेस प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि ''विशेष गहन पुनरीक्षण'' (एसआईआर) अभियान जल्दबाजी में लाया गया जिसकी अभी कोई आवश्यकता नहीं थी और इससे केवल भ्रम ही पैदा होगा। इसके अलावा, उन्होंने अभिनेता-राजनीतिक नेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम की भी आलोचना की, जिसने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार और पुलिस ने उनकी पार्टी पर प्रतिबंध लगाए हैं।

एसआईआर के मुद्दे पर हुई पार्टी की बैठक में भाग लेने के बाद श्रीपेरुंबुदूर उपनगर में कांग्रेस नेता ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि फिलहाल एसआईआर की कोई आवश्यकता नहीं थी।

उन्होंने दावा किया, ''इसे तमिलनाडु में मानसून की अवधि के दौरान जल्दबाजी में लाया गया। भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आयोग ने दावा किया है कि 2003 में भी इसी तरह की कवायद की गई थी। इससे संबंधित जानकारियां वेबसाइट से क्यों हटा दी गईं?''

सेल्वापेरुंथगाई ने मतदाताओं से सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने का कहा कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। उन्होंने लोगों से कहा, ''उन्हें किसी को भी अपने नाम से वोट नहीं डालने देना चाहिए और न ही उत्तर भारतीयों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने देने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने समय की कमी और अंतिम बूथ सूची के अभाव के कारण एसआईआर को निलंबित करने के लिए पांच नवंबर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को याचिका दी थी।

सेल्वापेरुंथगाई ने कहा, ''स्पष्ट और अंतिम बूथ सूची के बिना पूरी प्रक्रिया वास्तविक मतदाताओं के लिए भ्रम और अन्याय की वजह बनेगी।'' उन्होंने कहा कि एसआईआर 2003 के दिशानिर्देशों के आधार पर किया जा सकता है, न कि 2025 के दिशानिर्देशों के आधार पर।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने 11 जिलाधिकारियों के साथ एसआईआर कवायद की समीक्षा की

मदुरै। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के 11 जिलाधिकारियों के साथ मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यान्वयन की समीक्षा की। उप निर्वाचन आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु, निदेशक कृष्ण कुमार तिवारी ने तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक व जिलाधिकारियों के साथ कार्य समीक्षा की, जो मदुरै, शिवगंगा, रामनाथपुरम, थेनी, डिंडीगुल, विरुधुनगर, तूतुकुडी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, कन्याकुमारी और पुदुक्कोट्टई के जिला चुनाव अधिकारी हैं। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

चार नवंबर से शुरू हुआ एसआईआर अभ्यास चार दिसंबर तक चलेगा। मतदाता सूची में 27 अक्टूबर, 2025 तक शामिल प्रत्येक मतदाता को विशेष गणना प्रपत्र (ईएफ) प्रदान किया जाएगा, जो आंशिक रूप से पहले से भरा होगा। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म वितरित करने के साथ ही ईएफ का वितरण शुरू हो चुका है। वे भरे हुए ईएफ एकत्र करेंगे। इस व्यापक कार्य में बीएलओ के अलावा, बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), जिला चुनाव अधिकारी भी शामिल हैं।

महिला हॉस्टल के बाथरूम में कैमरा लगाने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णागिरी। तमिलनाडु के होसुर में एक महिला हॉस्टल के बाथरूम में कैमरा लगाने के आरोप में एक महिला और बेंगलूरु में रहने वाले उसके एक पुरुष मित्र को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्तपतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कृष्णगिरि जिले के नागमंगलम में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में काम करने वाली सैकड़ों महिला कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया जब कंपनी के 'विड़ियाल रेजिडेंसी' नामक महिला कर्मचारी आवास के एक बाथरूम के अंदर छिपाकर लगाया गया कैमरा मिला। यह कर्मचारी आवास 11 मंजिला है जिसमें आठ ब्लॉक हैं और यहां 6,000 से अधिक महिलाओं के ठहरने की व्यवस्था है।

पुलिस ने बताया कि कंपनी की नागमंगलम इकाई में कार्यरत ओडिशा की 22 वर्षीय नीलू कुमारी गुप्ता इसी कर्मचारी आवास में रहती थी और उसने कथित तौर पर अपने पुरुष मित्र संतोष (25) के उकसाने पर यह कैमरा लगाया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) पी थंगदुराई के अनुसार, संतोष को पांच नवंबर को उदनपल्ली की पुलिस टीम ने बेंगलूरु से गिरफ्तार किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह कैमरा दो नवंबर को उस कमरे के बाथरूम में लगाया गया था जहां उत्तरी राज्यों की महिलाएं रहती थीं और जहां नीलू कुमारी भी रहती थी। महिला कर्मचारियों के विरोध के बाद होसुर की अतिरिक्त जिलाधिकारी आकृति सेठी और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और उनसे बातचीत की। साथ ही उन्होंने सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

कर्मचारी आवास में बुधवार को भारी संख्या में जमा हुए महिला कर्मचारियों के माता-पिता को भी पुलिस को शांत कराना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि परिसर की गहन जांच के लिए महिला पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं और भी छिपा हुआ कैमरा तो नहीं लगाया गया है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि कंपनी इस घटना को पूरी गंभीरता और सावधानी से देख रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सभी के लिए एक सुरक्षित और सहायक कार्यस्थल प्रदान करने के हमारे प्रयास में हमारी नीतियां हैं कि हम अपने कर्मचारियों को सभी आवश्यक सहायता मुहैया कराएं।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में कर्मचारियों की सुरक्षा, गोपनीयता और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रवक्ता ने कहा, जब हमें होसुर स्थित हमारे आवासीय परिसर में हमारे एक कर्मचारी के साथ हुई घटना के बारे में पता चला, तो हमने तुरंत कार्रवाई की और मामले की सूचना पुलिस को दी।

फ्लाईओवर पर बाइक दुर्घटना में दो की मौत, एक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में तीन मोटरसाइकिलों की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना पांच नवंबर को रात करीब 11 बजे रोयापेट्टा के पीटर्स रोड फ्लाईओवर पर हुयी। मृतकों की पहचान कॉलेज छात्र सैयद सरदार बाशा (19) और फैशन ज्वैलरी की दुकान के मालिक कुमारन (46) के रूप में हुई है, दोनों ही रोयापेट्टा के निवासी थे।

पुलिस के अनुसार, बाशा और कुमारन अलग-अलग मोटर साइकिलों पर सवार थे और तेज गति से उनकी टक्कर हो गई। उनमें से एक के पीछे बैठा कॉलेज छात्र मोहम्मद सोहेल (20) भी इस दुर्घटना में शामिल था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, दोनों मोटरसाइकिल सवार तेज गति में होने के कारण टकरा गए और वे अपनी मोटरसाइकिलों से गिर गए, जिससे उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि टक्कर के कारण सोहेल भी अपनी मोटरसाइकिल से गिर गया, लेकिन उसके पैर और सिर पर मामूली चोटें आईं।

तीनों को रोयापेट्टा सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बाशा और कुमारन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपी को 24 साल बाद चेन्नई में पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम में 2001 में एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी को लगभग 24 साल फरार रहने के बाद चेन्नई में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तिरुवनंतपुरम के नीरामनकारा निवासी मुथुकुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के संबंध में वंचियूर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। ट्यूशन पढ़ाने वाले मुथुकुमार ने कथित तौर पर पीड़िता को स्कूल के समय में उससे मिलने के लिए कहा था।

पुलिस ने बताया कि स्कूल में भोजनावकाश के दौरान लड़की उसके ट्यूशन सेंटर गई थी, जहां आरोपी ने उसका यौन उत्पीड़न किया। स्कूल शिक्षक ने जब लड़की को कक्षा से अनुपस्थित देखा तो उसके माता-पिता को सूचित किया, जिन्होंने बाद में उसे मुथुकुमार के घर पर पाया। हालांकि, उस समय मुथुकुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन बाद में उसे जमानत मिल गयी और वह फरार हो गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी कई राज्यों में छिपा रहा था और उसने कभी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया। बताया जा रहा है कि वह तिरुवनंतपुरम में अपने परिवार को नकदी जमा मशीनों के ज़रिए उनके बैंक खातों में पैसे भेजता था। हाल ही में लंबित मुकदमों की समीक्षा करते हुए पुलिस ने मुथुकुमार का पता लगाने की नए सिरे से कोशिशें कीं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने उसके रिश्तेदारों और दोस्तों के मोबाइल फोन नंबरों और बैंक खातों पर नजर रखी और करीब 150 फोन नंबरों और 30 खातों को निगरानी में रखा। चेन्नई से मिले एक संदिग्ध फ़ोन नंबर से आरोपी तक पहुंचा गया। पुलिस ने बताया कि मुथुकुमार ने ईसाई धर्म अपना लिया था। उसने अपना नाम बदलकर सैम रख लिया था और वह अयनावरम में पादरी के तौर पर काम कर रहा था। उसने चेन्नई में दो बार शादी की थी और सार्वजनिक टेलीफोन बूथों तथा अन्य लोगों के मोबाइल फोन का उपयोग करके अपने रिश्तेदारों से संपर्क बनाए रखता था।

वंचियूर के थाना प्रभारी अधिकारी शनिफ एचएफ के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने बुधवार को चेन्नई में उसे गिरफ्तार किया और बृहस्पतिवार को उसे तिरुवनंतपुरम लाया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

लघु उद्योग भारती ने आरएसएस से प्रेरणा ली : राजनाथ सिंह

बेंगलूरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि लघु उद्योग भारती (एलयूबी) को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्रेरणा मिली है। सिंह ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। 'बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो (आईएमएस 2025)' के सातवें संस्करण के उद्घाटन सत्र के दौरान अपने ऑनलाइन संबोधन में सिंह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि लघु उद्योग भारती अब लघु' नहीं है।'' उन्होंने कहा कि एलयूबी लगातार बढ़ रहा है और विस्तार कर रहा है तथा पूरे देश में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुका है। रक्षा मंत्री ने संगठन की सराहना करते हुए कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही यह लघु उद्योगों की आवाज बन गया है। उन्होंने कहा कि आरएसएस एलयूबी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

लाभांश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बड़े एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल, केएसएमसी के अध्यक्ष एवं कारवार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतीश कृष्ण सैल के साथ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को 34.13 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपते हुए। कंपनी के प्रबंध निदेशक मोहम्मद अतीकुल्ला शरीफ और उप महाप्रबंधक नंदीशा पीएस भी उपस्थित थे।

नंदिनी घी की कीमत 90 रु. बढ़ी, अब 700 रुपये प्रति लीटर

बेंगलूरु। कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) ने नंदिनी घी की कीमत 90 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने की घोषणा की है। अब उपभोक्ताओं को इसके लिए 700 रुपये प्रति लीटर चुकाने होंगे।

केएमएफ अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत के कारण यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक स्तर पर भी, मांग के कारण कीमतें बढ़ रही हैं। हमारे घी के दाम सबसे कम दरों में से हैं और वैश्विक बाजार के रुझानों के अनुरूप ढलने एवं आर्थिक व्यवहार्यता बनाए रखने के लिए यह संशोधन आवश्यक है।''

भीलवाड़ा जिले में सड़क हादसे में पति पत्नी की मौत

जयपुर। भीलवाड़ा जिले में बृहस्पतिवार सुबह सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई जबकि परिवार के कुछ और लोगों को चोट आई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार हादसा शंभूगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन (बोलेरो गाड़ी) के बेकाबू होकर पुल की दीवार से टकराने के कारण हुआ। थानाधिकारी मोतीलाल रायका ने बताया कि वाहन में सवार एक परिवार के लोग खाटू श्याम जी (सीकर) मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे। एक पशु के अचानक सामने आने से वाहन बेकाबू होकर पुल की सुरक्षा दीवार से टकरा गया। हादसे में भीलवाड़ा जिले के डोट खेड़ा निवासी शांतिलाल (55) और उनकी पत्नी पुष्पा देवी (50) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटा राकेश, बहू सीमा और दो पोते घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए।

तापमान में और गिरावट होने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने व तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आज से आगामी एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने तथा उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में एक-दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के आसार हैं। वहीं बृहस्पतिवार सुबह तक के 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान बाड़मेर में 34.6 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वास्थ्य संस्थानों के निरीक्षण के लिए तीन दिवसीय अभियान शुरू

जयपुर। राजस्थान सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुधवार को राज्यभर में चिकित्सा संस्थानों के गहन निरीक्षण के लिए तीन दिवसीय अभियान शुरू किया। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के निर्देश पर अधिकारियों ने पहले दिन 813 चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के स्वास्थ्य मानकों के अनुपालन का आकलन करना है। प्रमुख सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) गायत्री राठौर ने बताया कि पांच से सात नवंबर तक चलने वाले इस अभियान का लक्ष्य सभी स्तरों की स्वास्थ्य सुविधाओं के मानकों में सुधार लाना है। अभियान के तहत मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों, जिला अस्पतालों, मातृ एवं शिशु कल्याण केंद्रों, उप-जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निरीक्षण किया जा रहा है।

आयुर्वेद, योग व नैचुरोपैथी का प्रमुख केंद्र बनेगा कोटा : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को कोटा शहर में तलवंडी स्थित राजकीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एकीकृत महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। समारोह में ओम बिरला ने कहा कि आयुर्वेद और योग केवल चिकित्सा पद्धतियाँ नहीं बल्कि भारत की प्राचीन जीवन-शैली और संतुलित स्वास्थ्य का विज्ञान हैं। उन्होंने कहा कि यह संस्थान हाड़ौती क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थी समग्र स्वास्थ्य, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में नई दिशा देंगे।

बिरला ने पूर्व सांसद और प्रसिद्ध वैद्य स्व. दाऊदयाल जोशी का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने कोटा में कोटा में आयुर्वेद चिकित्सा की नींव रखी थी, जो आज एक सशक्त शिक्षण और अनुसंधान संस्थान के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखना उनके योगदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और इस प्रस्ताव के प्रति सकारात्मक रुख रखने के लिए उन्होंने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संस्थान में क्लिनिकल रिसर्च, हाइड्रोथेरपी, क्रायोथेरपी, मसाज थेरपी जैसी चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाएगा और औषधीय उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक मानकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोटा को केवल शिक्षा और उद्योग की नगरी ही नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और वेलनेस का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए 50 बीघा भूमि पर आयुर्वेद मेडिसिटी और औषधि पार्क विकसित करने की योजना है, जिससे स्वास्थ्य, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आयुर्वेद जीवन जीने की कला और प्रकृति के साथ संतुलन का विज्ञान है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन में कोटा को आयुर्वेद और योग के हब के रूप में विकसित किया जाएगा। बैरवा ने कहा कि राजस्थान आज आयुर्वेद और आयुष चिकित्सा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 348 करोड़ रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत की जा चुकी है। बूंदी में भी आयुर्वेद चिकित्सालय की स्थापना होगी।

विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दूरदर्शी नेतृत्व ने कोटा को शिक्षा, उद्योग, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई पहचान दी है। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के मार्गदर्शन में कोटा में आयुर्वेदिक चिकित्सा को नई दिशा मिली है। कोटा में 10 करोड़ रुपये की लागत से वेलनेस सेंटर स्थापित करने की योजना है, जिससे नागरिकों को समग्र स्वास्थ्य की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन, सांस्कृतिक रंगों में डूबे नजर आए पर्यटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर में पंद्रह दिवसीय विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन हो गया, जहां मेले के आखिरी दिन खेल समारोह और पारंपरिक डांस ने पर्यटकों का दिल जीत लिया। विदेशी महिलाओं ने समापन के दिन हुए खेलों में अपनी भागीदारी निभाई, जहां उनका मुकाबला राजस्थान की महिलाओं के साथ हुआ। मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद रहे। राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने मीडिया से बात कर कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेले का समापन हो गया है और सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी इस मेले की अमिट छाप है। यह मेला हमारी संस्कृति का प्रतीक है और हमारी राष्ट्रीय एकता को भी प्रबल करता है।

राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मेले के समापन पर कहा, इस बार मेला अच्छी व्यवस्था और सुधार के साथ पूरा हुआ है। यहां हमारे विदेशी मेहमानों ने भी भागीदारी निभाई और मेले का आनंद लिया। हमने इस बार प्रशासन की मदद से पशु प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पशुओं के लिए अच्छी जगह का इंतजाम किया और स्वच्छता का भी ध्यान रखा। इस अवसर पर अजमेर जिला कलेक्टर लोकबंधु और एडिशनल एसपी ग्रामीण डॉ. दीपक कुमार शर्मा भी मौजूद रहे।

मेले के समापन समारोह में घुड़सवारों की रेस भी हुई, जिसमें राजस्थान की शौर्य परंपरा को दर्शाया गया। इसके साथ ही लोक संस्कृति का मन मोह लेने वाला नजारा भी देखने को मिला, जहां राजस्थान की कला और सांस्कृतिक नृत्य जैसे कालबेलिया नृत्य और नगाड़ा वादन देखने को मिले। मेला देखने आए विदेशी पर्यटकों ने भी इन लोक प्रस्तुतियों में भाग लिया। कुछ विदेशी महिलाएं सतरंगी पगड़ी पहने नगाड़ा वादन करती दिखीं, जबकि कुछ महिलाओं को रस्सी खींच प्रतियोगिता में भाग लेते देखा गया। मेले के दौरान आयोजित अलग-अलग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह में पुरस्कृत किया गया। उन्हें ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

'आत्मनिर्भर डिजिटल भारत' के निर्माण में राजस्थान का अभूतपूर्व कदम : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की उपस्थिति में गुरुवार को जयपुर स्थित भामाशाह डेटा सेंटर में दो महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। पहला एमओयू राज्य सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग और केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया 'भाषिणी' प्रभाग के बीच हुआ। दूसरा एमओयू सी-साइड स्टार्टअप समिट व स्टार्टअप आर्मेनिया के फाउंडर डॉ. हाकोब हाकोबयान, आईओएलएफ और आई-स्टार्ट राजस्थान के बीच किया गया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान जैसे विशाल भू-भाग में कोस-कोस पर भाषा बदल जाती है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि नागरिकों को उनकी मातृभाषा में राजकीय सेवाओं का लाभ मिल सके। इसी दिशा में अब 'भाषिणी' और डीओआईटी मिलकर कार्य करेंगे तथा आधुनिक तकनीकों की मदद से भाषाई अवरोधों को दूर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने तथा भाषा के आधार पर नहीं, बल्कि ज्ञान के आधार पर युवाओं को अवसर मिले। 'भाषिणी' की मदद से किसान अपनी फसल, मौसम और खाद-बीज से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। महिलाएं अपने व्यवसाय को बढ़ाने में सक्षम होंगी और विद्यार्थी सरलता से ज्ञान अर्जित कर पाएंगे। यह सब कार्य अब अपनी मातृभाषा में संभव हो सकेंगे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार के आई-स्टार्ट कार्यक्रम से हजारों स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान की जा रही है। राज्य में स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उद्यमियों, निवेशकों और अन्य हितधारकों को एक ही मंच पर आमंत्रित किया जायेगा ताकि वे विकसित राजस्थान के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया की विभाग भाषिणी के साथ मिलकर उपलब्ध डाटा के आधार पर नागरिकों को क्षेत्रीय भाषाओं में संवाद की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इससे किसानों, महिलाओं, युवाओं और जनजातीय क्षेत्रों में गुड गवर्नेंस को सशक्त बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राजधानी जयपुर में आगामी जनवरी-फरवरी माह में चार दिवसीय स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें देश-विदेश के स्टार्टअप फाउंडर, निवेशक और हितधारक भाग लेंगे।

'भाषिणी' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ नाग ने बताया कि 'भाषिणी' केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत शुरू की गई है। इसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण तकनीकों के माध्यम से भारत में भाषाई बाधाओं को समाप्त करना है, जिससे 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में डिजिटल सेवाओं और सूचनाओं तक सहज पहुंच सुनिश्चित की जा सके। भविष्य में अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी इस सुविधा से जोड़ा जाएगा।

पूरी सृष्टि में केवल पुष्कर में है ब्रह्मा जी का मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर। ब्रह्मा, विष्णु और महेश को सृष्टि का निर्माता, पालनकर्ता और संहारक माना गया है। लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि विष्णु और शिव जी के तो पूरे देश में कई मंदिर हैं और लोग घर में भी उनकी पूजा करते हैं, जबकि ब्रह्मा जी की पूजा लगभग कभी नहीं होती। उनका केवल एक ही मंदिर है जो पुष्कर में स्थित है। पुराणों के अनुसार, इसका कारण देवी सावित्री का दिया हुआ श्राप है। कहा जाता है कि एक बार ब्रह्मा जी अपने हाथ में कमल का फूल लिए हुए अपने वाहन हंस पर सवार होकर यज्ञ के लिए जगह तलाश रहे थे। इसी दौरान उनका कमल का फूल हाथ से गिर गया और उस जगह पर तीन झरने बन गए। इन्हें ब्रह्म पुष्कर, विष्णु पुष्कर और शिव पुष्कर के नाम से जाना गया। ब्रह्मा जी ने यही यज्ञ करने का निर्णय लिया, लेकिन यज्ञ में उनकी पत्नी का होना जरूरी था।

उस समय देवी सावित्री वहां नहीं थीं और शुभ मुहूर्त निकल रहा था, इसलिए ब्रह्मा जी ने उसी समय वहां मौजूद एक सुंदर स्त्री से विवाह कर यज्ञ संपन्न कर लिया। जब यह बात देवी सावित्री को पता चली, तो वे बहुत नाराज हुईं और उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पूरी सृष्टि में उनकी पूजा नहीं की जाएगी। यही वजह है कि ब्रह्मा जी का एकमात्र मंदिर पुष्कर में है। इसके बाद ब्रह्मा जी ने यहीं दस हजार साल तक रहकर सृष्टि की रचना की और पांच दिनों तक यज्ञ किया। यहीं तपस्या के दौरान सावित्री देवी वहां पहुंचीं और उनकी नाराजगी शांत हुई। श्रद्धालु आज भी ब्रह्मा जी से दूर से ही प्रार्थना करते हैं। कहा जाता है कि श्राप की वजह से पूरी दुनिया में ब्रह्मा की पूजा नहीं होती। वहीं, देवी सावित्री तपस्या के लिए पुष्कर की पहाड़ियों पर चली गईं और आज भी वहां मंदिर में विराजमान हैं। वे भक्तों का कल्याण करती हैं और उनकी कृपा से ही श्रद्धालु लाभ पाते हैं।

फिल्म 120 बहादुर : फरहान अख़्तर और राशि खन्ना पहुंचे जोधपुर, मेजर शैतान सिंह की प्रतिमा पर दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। फिल्म 120 बहादुर के सिलसिले में अभिनेता फरहान अख़्तर और अभिनेत्री राशि खन्ना आज जोधपुर पहुंचे। इस दौरान दोनों कलाकारों ने 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेज़ांग ला की लड़ाई के महानायक, परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जोधपुर जिले के बनासर गांव में स्थित इस स्मारक पर पहुंचकर फरहान ने मेजर शैतान सिंह के परिजनों से भी मुलाकात की और कुछ समय उनके साथ बिताया। फरहान अख़्तर अपनी आगामी फिल्म 120 बहादुर में मेजर शैतान सिंह का किरदार निभा रहे हैं। प्रतिमा स्थल पर पहुंचना और उस वीर योद्धा को श्रद्धांजलि देना उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि उन 120 भारतीय सैनिकों के साहस, समर्पण और देशभक्ति को समर्पित है जिन्होंने 1962 के रेज़ांग ला युद्ध में आख़िरी सांस तक मोर्चा संभाला। फिल्म 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की सच्ची कहानी पर आधारित हैएक ऐसी गाथा जिसे भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे बहादुर लड़ाइयों में से एक माना जाता है। हम पीछे नहीं हटेंगेयह संवाद न सिर्फ फिल्म की आत्मा है, बल्कि उस अदम्य सैनिक भावना का परिचय भी देता है जो इस लड़ाई के हर पल में महसूस होती है।

120 बहादुर का निर्देशन रजनीश 'रेज़ी' घई ने किया है। फिल्म को रितेश सिधवानी, फरहान अख़्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) ने संयुक्त रूप से प्रोड्यूस किया है। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट का एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट माना जा रहा है।

फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। देशभक्ति, वीरता और असली घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर विशेष संगोष्ठियों का हुआ आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेशभर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार गुरुवार को बरसी पंचायत समिति में खिलौना बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं नवाचार से जोड़ना था। कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने बड़ी तादाद प्रतिभागियों को खिलौने बनाने की बारीकियों से रूबरू करवाया। वहीं, कार्यक्रम के तहत माडा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों की ग्राम सभा में विशेष संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी तादाद में प्रतिभागियों ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आत्मसात करने की शपथ ली।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि 1 से 15 नवम्बर 2025 तक भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारम्भ हुई है। राज्य सरकार द्वारा यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों, संघर्ष और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ समाज के वंचित वर्गों को योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आगामी कार्यक्रमों के तहत 7 नवम्बर को कृषकों की संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें कृषि विभाग के अधिकारी विभागीय गतिविधियों योजनाओं एवं भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर प्रकाश डालेंगे।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में हुई व्यापक कार्रवाई, यातायात नियमों को लेकर 15 हजार से अधिक लोगों को किया जागरूक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए निरंतर सार्थक कदम उठा रही है। इसी दिशा में प्रदेशभर में 4 से 18 नवम्बर तक 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात डॉ. बी. एल. मीना ने बताया कि अभियान के पहले दिन शराब पीकर वाहन चलाने पर 307, तेज गति से वाहन चलाने पर 2743, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 753, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 178, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 149, बिना नम्बर प्लेट वाहन चलाने पर 529 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर को 15 हजार 618 सड़क उपयोगकर्ताओं को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान प्रदेश में पुलिस विभाग के लगभग 4 हजार 500 कार्मिक मौके पर तैनात रहे।

डॉ. मीना ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम को लागू करने की दिशा

में 135 पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। वहीं, 143 पुलिस जाप्ते लेन ड्राइविंग के नियमों को सुनिश्चित करने के लिए तैनात किए गए। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने पर 49 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने अभियान के पहले व दूसरे दिन कार्रवाई करते हुए प्रदेश में नियमों का उल्लंघन करने पर 2758 वाहनों के चालान किए। इस दौरान मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 193, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 85 तथा अन्य नियमों के उल्लंघन करने पर 1819 मालवाहक वाहनों के चालान कर कार्रवाई की गई।

'फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार', जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाबः मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भागलपुर/अररिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की जनता, विशेषकर माताएं और बेटियां, बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं ताकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के जंगलराज को वापस आने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बननी चाहिए।

बिहार के भागलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों ने बिहार के गरीबों और महिलाओं के हितों के बारे में कभी नहीं सोचा। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस ने कभी महिलाओं के खाते खोलने के बारे में नहीं सोचा। आज वे पोस्टरों में साथ तो दिखते हैं, लेकिन एक-दूसरे का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं हैं। राजद के पोस्टरों में कांग्रेस के नामदार का चेहरा तक गायब है। राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी बंदूक की नोक पर छीन ली, और कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। दोनों दल सत्ता की लड़ाई में एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार एक जिला, एक उत्पाद योजना के माध्यम से बिहार के हर जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है। प्रधानमंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कांग्रेस की डिक्शनरी में 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भरता' जैसे शब्द नहीं हैं। उन्हें गरीबों से क्या दुश्मनी है?

राजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जंगलराज की पाठशाला में 'ए' का मतलब होता है 'अपहरण' और 'फ़' का मतलब 'फिरौती' सिखाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भागलपुर दंगा और सिख नरसंहार कांग्रेस के काले अध्याय हैं जिन्होंने देश को शर्मसार किया था।

नगालैंड आईएएस भर्ती विवाद : जेसीसी ने आंदोलन तेज किया, पूरी तरह हड़ताल शुरू की

कोहिमा/भाषा। संयुक्त समन्वय समिति (जेसीसी) ने बृहस्पतिवार को नगालैंड सरकार के खिलाफ अपने आंदोलन को और तेज करते हुए अब पूरी तरह से हड़ताल शुरू कर दी है। जेसीसी में कई प्रमुख श्रमिक संगठन शामिल हैं। समिति ने आरोप लगाया कि 40 दिनों से अधिक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के बावजूद सरकार से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है इसलिए, आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक ''मेरिट की बहाली'' की मांग पूरी नहीं होती।

जेसीसी ने दोहराया कि उसकी मुख्य मांगें अपरिवर्तित हैं जिनमें 10 मार्च के रिक्तियों से संबंधित परिपत्र की बहाली और आईएएस भर्ती पैनल सूची से ''गैर-एनपीएससी/बैकडोर उम्मीदवार'' का नाम हटाना शामिल है। समिति ने अपने सभी सदस्य संगठनों और निदेशालयों को निर्देश दिया है कि आवश्यक सेवाओं जैसे सार्वजनिक परिवहन, एम्बुलेंस, शैक्षणिक संस्थानों के वाहन, सफाई व्यवस्था, बिजली और जल आपूर्ति में किसी प्रकार का व्यवधान न हो। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध शांतिपूर्ण रहेगा और केवल कार्यस्थलों तक सीमित रहेगा। दूसरी ओर, राज्य सरकार ने 30 अक्टूबर को अपने कदम का बचाव करते हुए कहा कि आईएएस भर्ती प्रक्रिया दशकों पुरानी प्रशासनिक परंपरा के अनुसार ही चल रही है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और मंत्री के.जी. केन्ये ने कहा कि जेसीसी की यह मांग कि केवल नागालैंड सिविल सर्विस के अधिकारियों को आईएएस भर्ती के लिए विचार किया जाए, यह एक ''नया घटनाक्रम'' है और यह लंबे समय से चली आ रही प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है।

बिहार में राजग की 'रिकॉर्ड तोड़ जीत' तय, राहुल पहले से हार के बहाने तलाश रहेः शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जहानाबाद/भाषा। केंदीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 'रिकॉर्ड तोड़ जीत' की ओर बढ़ रहा है, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी संभावित हार के लिए पहले से ही 'वोट चोरी' के आरोप लगाकर बहाने तैयार कर रहे हैं।

जहानाबाद जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र के गोड़सर में पत्रकारों से बातचीत में चौहान ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार 'वोट चोरी' की बात करके यह स्वीकार कर रहे हैं कि जनता का समर्थन राजग के साथ है।

उन्होंने कहा, मतदान से एक दिन पहले ही गांधी ने बहाने ढूंढ़ने शुरू कर दिए थे और 'वोट चोरी' की बात कर रहे थे। उन्हें पता है कि बिहार की जनता विकास, कल्याण, सुशासन और महिला सशक्तिकरण के पक्ष में खड़ी है।

कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए चौहान ने कहा, राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने अपना समय मछली पकड़ने में बिताया। उन्होंने दावा किया कि राजग की जीत जमीनी स्तर पर साफ दिखाई दे रही है।

चौहान ने कहा, ''राजग प्रत्याशी रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज करेंगे। यहां तक कि तेजस्वी यादव ने भी यह मान लिया है। प्रचार के आखिरी दिन उन्होंने अपना घोषणा पत्र छोड़ दिया क्योंकि उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।''

उन्होंने आगे कहा, ''माताएं, बहनें, युवा, किसान और गरीबसभी सुशासन, कल्याण और विकास के लिए वोट कर रहे हैं। लोग बड़ी संख्या में निकलकर राजग का समर्थन कर रहे हैं।''

बिहार के उपमुख्यमंत्री ने अपने काफिले पर हमला किए जाने का लगाया आरोप, सीईसी का कार्रवाई का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उनके विधानसभा क्षेत्र लखीसराय में राजद समर्थकों ने उनके काफिले पर हमला किया। इसके बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को 'तत्काल कार्रवाई' करने का निर्देश दिया।

एक अधिकारी ने कुमार के हवाले से कहा, '' किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'' अधिकारी के अनुसार सीईसी ने पुलिस महानिदेशक को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने सभी मतदाताओं से बिना किसी डर के वोट डालने का अनुरोध किया है।

सेना के जवानों की जाति-धर्म पूछने पर राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिएः शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेतिया/मोतिहारी/मधुबनी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सेना के जवानों की जाति और धर्म जानने की बात कहने पर ''शर्म'' आनी चाहिए।

बिहार के मधुबनी, पश्चिम चंपारण और मोतिहारी जिलों में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि ''अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए'' देश की नौकरियां छीन रहे हैं और सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। उनका कहना था कि बिहार विधानसभा चुनाव ''राज्य को घुसपैठियों से मुक्त करने'' का चुनाव है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने शाह ने कहा, ''राहुल गांधी को सेना के जवानों की जाति और धर्म जानने की बात करने पर शर्म आनी चाहिए। हमारी सेना में किसी जवान के साथ जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।'' गौरतलब है कि राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि ''पिछड़ी जातियों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों का निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10 प्रतिशत लोग इन संस्थानों पर नियंत्रण रखते हैं।''

शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शासन के दौरान ''हत्या, नरसंहार और बलात्कार की घटनाएं आम थीं।'' उनका कहना था कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में ''किसी बाहुबली के लिए जगह नहीं'' है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मखाना बोर्ड' बनाया। अगर लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो वे 'घुसपैठिया घुसाओ बोर्ड' बना देंगे।'' शाह ने कहा कि बिहार में ''जंगलराज'' की वापसी रोकने का काम केवल नरेंद्र मोदीनीतीश कुमार की जोड़ी ही कर सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद और राहुल गांधी राज्य में ''घुसपैठियों का रास्ता खोलने'' की कोशिश कर रहे हैं।

महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''अगर यह 'ठगबंधन' सत्ता में आया तो चंपारण 'मिनी चंबल' में बदल जाएगा।''

निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की जांच के लिए राष्ट्रीय आंदोलन की जरूरत : गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पार्टी नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोप लगाए जाने के बाद बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की जांच करने की मांग करते हुए एक ''राष्ट्रीय आंदोलन'' का आह्वान किया।

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव ''चुराए गए'' थे। उन्होंने मतदाता सूची के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि 25 लाख फर्जी प्रविष्टियां की गई थीं और निर्वाचन आयोग पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए उसके साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया। गोगोई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वोट चोरी पर निर्वाचन आयोग की निष्क्रियता अपराध स्वीकार करने के समान है और यह भारत के लोगों के खिलाफ इस अन्याय को छिपाने का एक क्षीण प्रयास है।'' कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष ने कहा, ''निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की जांच और इस महत्वपूर्ण संस्था में सुधार की मांग के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन होना चाहिए।''

हरियाणा की तरह बिहार में 'चुनाव चोरी' करने की तैयारी में राजगः प्रियंका

मोतिहारी/सीतामढ़ी/मधुबनी/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) हरियाणा की तरह बिहार में भी विधानसभा चुनाव को चोरी करने की तैयारी में है। उन्होंने पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि निर्वाचन आयोग देश के संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।

प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के हरियाणा में कथित 'वोट चोरी' से संबंधित संवाददाता सम्मेलन का हवाला देते हुए कहा, ''जिस तरह उन्होंने (राजग) हरियाणा में पूरा चुनाव चुरा लिया, उसी तरह वे बिहार में भी 65 लाख वोटों को नामावली से हटाकर ऐसा ही करने की तैयारी कर रहे हैं।'' उनका कहना था, ''ऐसी 'वोट चोरी' से आपके अधिकार छीने जाते हैं। इससे वह संविधान कमजोर होता है, जिसके लिए महात्मा गांधी जी लड़े, मेरे परिवार के लोग शहीद हुए।'' प्रियंका गांधी ने जनता का आह्वान किया, ''आप बिहार में एक ऐसी सरकार बनाइए, जो महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों के लिए काम करे- 'वोट चोरी' न करे।''

राष्ट्रपति मुर्मू को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की।

भारत ने रविवार को नवी मुंबई में 50 ओवर के विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपना पहला वैश्विक खिताब जीतकर इतिहास रचा। राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा है बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए आदर्श भी बन गई हैं। राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया, ''युवा पीढ़ी विशेषकर लड़कियां इस उपलब्धि से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी।'' मुर्मू ने भविष्य में भी इस टीम के भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों के क्रिकेट सफर में आई मुश्किलों पर कहा, ''कभी-कभी तो खिलाड़ियों को नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। '' उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद लोगों को पूरा भरोसा था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद ''हमारी बेटियां ही जीतेंगी।''

जो लोग मुझ पर और मेरे परिवार पर ताना कसते थे, वही आज प्रशंसा कर रहे हैं : क्रांति

नई दिल्ली/भाषा। लड़कों की टीम में एक खिलाड़ी कम पड़ गया और ऐसे में उनके पास कोई विकल्प नहीं था और उन्होंने आखिर उसे टीम में शामिल कर दिया। टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का क्रिकेट में यह पहला कदम था। इससे पहले वह मध्य प्रदेश के अपने गांव धुवारा में दूर से ही लड़कों को खेलते हुए देखती थी और कभी कभार जब गेंद उनके दरवाजे पर पहुंच जाती तो उसे वापस लड़कों के पास फेंक देती थी।

गौड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात से ठीक पहले कहा, ''मुझे तो यह भी नहीं पता था कि महिला क्रिकेट टीम भी है। यहीं से क्रिकेट में सफर शुरू हुआ था।'' 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हाल में समाप्त हुए महिला वनडे विश्व कप में में 18.55 की औसत से नौ विकेट लिए जिसमें पाक के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेना शामिल था। भारत ने फाइनल में द. अफ्रीका को 52 रन से हरा पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने कहा, ''मुझे गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था और अब हम विश्व चैंपियन हैं। यह मेरे, मेरे परिवार और पूरे देश के लिए गर्व की बात है।''

बिहार चुनाव के बाद बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरेगी जनशक्ति जनता दलः तेज प्रताप

महुआ (बिहार)/भाषा। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने कहा कि वह महुआ विधानसभा सीट से चुनाव जीतेंगे और चुनाव के बाद उनकी पार्टी ''एक बड़ी राजनीतिक ताकत'' के रूप में उभरेगी।

उनकी पार्टी राज्य में 44 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। तेज प्रताप ने 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि महुआ की जनता एक बार फिर मुझे आशीर्वाद देगी। क्यों नहीं देगी? मैंने उनके लिए काम किया है और वे इसे जानते हैं।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ नेताओं द्वारा उनकी तारीफ किए जाने से संबंधित सवाल पर यादव ने कहा कि अच्छे काम की सराहना और नकारात्मक राजनीति की आलोचना होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर कोई अच्छा काम करता है तो उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। अगर कोई गलत काम करता है, तो उससे सवाल पूछे जाने चाहिए। हम अच्छे काम में विश्वास करते हैं और जनता उसकी कद्र करेगी।'' पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से हाल में मुलाकात किए जाने की खबरों पर तेज प्रताप ने कहा कि घर छोड़ने के बाद से उन्होंने अपने माता-पिता में से किसी से भी मुलाकात नहीं की है।

केंद्र सरकार अगर मणिपुर में सरकार गठन में विफल रहती है तो चुनाव कराए जाएं : भाजपा विधायक

इंफाल/भाषा। मणिपुर के भाजपा विधायक एल रामेश्वर मेइती ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि केंद्र सरकार राज्य में सरकार गठन में विफल रहती है तो नए सिरे से चुनाव कराए जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार का गठन नहीं हुआ तो राज्य में पार्टी की स्थिति कमजोर हो सकती है। केइराओ विधायक ने एक कार्यक्रम से इतर कहा, हमारे बीच कुछ समान विचारधारा वाले भाजपा विधायक हैं जिन्होंने सरकार गठन में नेतृत्व के लिए स्पीकर थोकचोम सत्यव्रत को चुना है। सरकार गठन के दावे को हम राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भी तैयार है, लेकिन फिलहाल अनुकूल समय का इंतजार कर रहे हैं।

लालू ने बिहार के मतदाताओं से सरकार बदलने की अपील की, कहा : रोटी को पलटना जरूरी, वरना जल जाएगी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने बृहस्पतिवार को बिहार में सरकार बदलने की अपील करते हुए कहा कि जैसे तवे पर रोटी को पलटते रहना जरूरी होता है, वरना वह जल जाती है, ठीक उसी तरह शासन में भी परिवर्तन आवश्यक है। राजद प्रमुख ने अपनी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा पुत्र और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ मतदान किया। मतदान के बाद लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, रोटी को तवे पर पलटना जरूरी होता है, नहीं तो वह जल जाती है। 20 साल बहुत हो गए! अब नए बिहार के निर्माण के लिए तेजस्वी की सरकार जरूरी है। लालू प्रसाद का यह वक्तव्य बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दिन आया, जिसमें उन्होंने जनता से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को बदलने की अपील की।

''राहुल मुझसे बोले कि काम पूरा करने के बाद शादी करूंगा''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया/भाषा। बिहार के अररिया जिले में राहुल गांधी से मिलने के बाद एक लड़के ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता ने उससे कहा कि वह अपना काम पूरा करने के बाद शादी करेंगे। सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें देखा जा सकता है कि मुस्कराते हुए एक लड़का राहुल गांधी के पास पहुंचता है और फिर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उससे बात करने के लिए रुकते हैं। वीडियो क्लिप में आवाज स्पष्ट नहीं है, लेकिन राहुल गांधी भीड़ के साथ आगे बढ़ने से पहले लड़के से हाथ मिलाते, बातचीत करते और प्यार से उसे थपथपाते दिखाई दे रहे हैं। बाद में 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए लड़के ने कहा, मैंने राहुल गांधी से पूछा कि वह शादी कब करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया कि वह अपना काम पूरा होने के बाद शादी करेंगे।'' राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए अररिया पहुंचे थे।

चतुराई भरी बल्लेबाजी, हालात के अनुकूल ढलना जीत की कुंजी : सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैरारा/भाषा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया पर चौथे टी20 मैच में 48 रन से मिली जीत के लिये बल्ले और गेंद से अपने खिलाड़ियों के चतुराई भरे खेल को श्रेय दिया । भारत ने 167 रन बनाने के बावजूद जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 2 . 1 से बढत बना ली है ।

सूर्यकुमार ने जीत के बाद कहा ,'' मुझे लगता है कि बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाना चाहिये । शुभमन और अभिषेक ने जिस तरह से शुरूआत की , उन्हें पता था कि यह 200 या 220 रन वाला विकेट नहीं है । उन्होंने चतुराई से खेला । बल्लेबाजों की तरफ से यह पूरा टीम प्रयास था ।'' उन्होंने आगे कहा ,'' मैं और गौती भाई (कोच गौतम गंभीर) इस बारे में स्पष्ट हैं कि गेंदबाजों को आक्रामक प्रदर्शन करना होगा । मैदान पर ओस अधिक नहीं थी लेकिन गेंदबाजों ने खुद को जल्दी ढाल लिया ।'' हरफनमौला शिवम दुबे ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट लिये । सूर्यकुमार ने कहा ,'' दो तीन ओवर डालने वाले गेंदबाज टीम में होना हमेशा अच्छा रहता है । यह संयोजन हमे रास आता है ।'' ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा ,'' 167 का स्कोर बुरा नहीं था । हम फिनिश लाइन तक नहीं जा सके । भारतीय टीम को इसका पूरा श्रेय जाता है जो विश्व स्तरीय टीम है ।'' एशेज श्रृंखला को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने टीम में काफी बदलाव किये थे । प्रमुख खिलाड़ी टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच छोड़कर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज की तैयारी में लग गए ।

हार के डर से विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर निराधार आरोप लगा रहा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतामढ़ी/मोतिहारी/भाषा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी दल चुनाव हारने के डर से निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि पिछले वर्ष हरियाणा विधानसभा चुनाव में 'धांधली' हुई थी।

राहुल ने मतदाता सूची के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि इसमें दर्ज 25 लाख प्रविष्टियां फर्जी थीं और निर्वाचन आयोग ने भाजपा को जिताने के लिए मिलीभगत की थी। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीतामढ़ी और मोतिहारी में लगातार दो रैलियों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने राजद पर राज्य को दोबारा जंगलराज के दिनों में धकेलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, लेकिन बिहार की जनता राज्य को विकसित बिहार के रूप में देखना चाहती है। जनता की आकांक्षाओं को केवल राजग ही पूरा कर सकता है। इसलिए राजग दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ चुनाव जीतेगा। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार देश के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है और भारत को आने वाले समय में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

सुविचार

संत बुरे व्यक्तियों में भी उनके अंदर की अच्छाइयों को ढूंढ निकालते हैं। मनुष्य को चाहिए कि वह किसी से बैर न रखे और हर चीज में अच्छाइयों को खोजे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मपरिवर्तन की पैरवी क्यों?

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी पत्नी उषा वेंस की आस्था के बारे में जो टिप्पणी की, उसकी आशा नहीं थी। अमेरिका के सबसे ताकतवर पदों में से एक पर बैठा शख्स ऐसी टिप्पणी करे तो उससे बहुत गलत संदेश जाता है। अब जेडी वेंस कितनी ही सफाई पेश करें, उन्होंने करोड़ों लोगों को निराश किया है। अमेरिका के लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की मिसाल दी जाती है। उसका उपराष्ट्रपति कह रहा है कि मैं चाहूंगा कि मेरी पत्नी धर्मपरिवर्तन कर ले! जेडी वेंस अमेरिकी लोकतंत्र के मूल्यों और आदर्शों को ताक पर रखकर वोटबैंक की राजनीति कर रहे हैं। वे जानते हैं कि इससे लोगों की भावनाओं में उबाल आएगा और उन्हें अगली बार राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनने में मदद मिलेगी। जेडी वेंस ने जो बयान दिया, उसकी आलोचना हुई, लेकिन बहुत हल्के-फुल्के शब्दों में। सोचिए, अगर ऐसा ही बयान उषा वेंस दे देतीं तो भारत से लेकर अमेरिका तक कितना हंगामा होता? अब तक कोई आधा दर्जन थिंक टैंक रिपोर्ट जारी कर चुके होते कि भारत में असहिष्णुता बहुत बढ़ गई है, जिसका असर अमेरिका की राजनीति में दिखाई दे रहा है। कुछ 'बुद्धिजीवी' तो अलग ही राग अलाप रहे होते। मीडिया का एक खास वर्ग दिन-रात उन्हें ही प्रचारित-प्रसारित करता। वे उस घटना के लिए भारतीय प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांग रहे होते! उषा वेंस ने यह सब नहीं कहा। क्यों? क्योंकि वे जिस परिवार से आती हैं, वहां किसी ने अपनी आस्था दूसरों पर थोपने की कल्पना भी नहीं की होगी। हिंदू धर्म सबसे ज्यादा सहिष्णु है। यहां कोई व्यक्ति शिव की पूजा करे या विष्णु की, दुर्गा की साधना करे या सरस्वती की, साकार को माने या निराकार में ध्यान लगाए, चाहे तो किसी दिव्य शक्ति में विश्वास करे या सबकुछ माया समझे – उसे पूरी स्वतंत्रता है।

हिंदू समाज ने मान्यता, ग्रंथ, पंथ, रिवाज, भाषा, खानपान के मामले में विविधता एवं सहिष्णुता को इस तरह अंगीकार कर लिया है, जैसे फूल में सुगंध। हमारे पड़ोस में एक देश ऐसा है, जिसने विविधता को खत्म कर एकरूपता लाने का ऐसा अभियान चलाया था कि वह आज उसके नागरिकों के लिए गले का फंदा बन चुका है।

वास्तव में हिंदू धर्म में मान्यताओं और ग्रंथों के संबंध में जो विविधता है, वह उसकी बहुत बड़ी ताकत है। आध्यात्मिक दृष्टि से न्यूनतम जानकारी रखने वाला हिंदू भी इस बात पर सहमत होगा कि 'सत्य एक है, उसे प्राप्त करने के मार्ग अनेक हैं।' जटिल दर्शन को इतने सरल शब्दों में अभिव्यक्त करने का साहस और कौन कर सकता है? इसका नतीजा यह है कि सदियों तक विदेशी हमले झेलने के बावजूद हिंदू धर्म की पताका लहराती रही। जेडी वेंस को स्वामी विवेकानंद का वह ऐतिहासिक भाषण जरूर पढ़ना चाहिए, जो उन्होंने शिकागो में दिया था। अगर अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने वह पढ़ा होता तो उक्त बयान नहीं देते। हिंदू समाज ने मान्यता, ग्रंथ, पंथ, रिवाज, भाषा, खानपान के मामले में विविधता एवं सहिष्णुता को इस तरह अंगीकार कर लिया है, जैसे फूल में सुगंध। हमारे पड़ोस में एक देश ऐसा है, जिसने विविधता को खत्म कर एकरूपता लाने का ऐसा अभियान चलाया था कि वह आज उसके नागरिकों के लिए गले का फंदा बन चुका है। वहां असहिष्णुता इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि आस्था के मामले में जरा-सी असहमति पर भी लोग जान लेने को उतारू हो जाते हैं। उधर एक-दूसरे पर बम फेंकने का ऐसा सिलसिला चल पड़ा है कि उसे रोकने के लिए तमाम कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं। भारत में आस्तिक और नास्तिक एक थाली में भोजन करते मिल जाएंगे। वहां, नास्तिकता की भनक लगने भर की देर है। उसके बाद परिवार, रिश्तेदार और भीड़ – सब मिलकर उस व्यक्ति का काम तमाम कर देंगे। हिंदू समाज ऐसी विकृतियों से कोसों दूर है। जेडी वेंस कुछ अध्ययन करें।

ट्वीटर टॉक

बिहार में दुनिया की सबसे बेहतरीन यूनिवर्सिटी बनेगी, बिहार के युवाओं का भी भविष्य यहीं से बनेगा, और दुनिया भर के लोग फिर से यहां अपना रास्ता तलाशने आएंगे। नालंदा कभी दुनिया का सबसे महान विश्वविद्यालय था ।

-राहुल गांधी

आज भारतीय ट्राइबल पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई और शुभकामनाएं दी। गणेश घोघरा के साथ पधारे सभी आदिवासी नेताओं ने संविधान की शपथ लेकर कांग्रेस पार्टी के साथ लोकतंत्र की रक्षा का प्रण लिया।

-गोविंदसिंह डोटासरा

पहले चरण के मतदान की मतदाताओं में जो उत्साह है और अब तक मुझे जो जानकारी मिली है, उसमें मतदान की शानदार तस्वीरें सामने आ रही हैं। हमारी माताएं-बहनें बहुत उत्साह के साथ मतदान कर रही हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

अहंकार मर्दन

द्वारका में श्रीकृष्ण सिंहासन पर रानी सत्यभामा के साथ विराजमान थे। बातों-बातों में सत्यभामा ने पूछा, 'प्रभु, क्या त्रेता युग में सीता मुझसे भी अधिक सुंदर थीं?' श्रीकृष्ण समझ गए कि उन्हें रूप का अहंकार हो गया है। तभी गरुड़ ने अपनी गति पर गर्व किया और सुदर्शन चक्र ने अपनी शक्ति पर। भगवान मुस्कुराए और समझ गए तथा तीनों का अहंकार दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने गरुड़ को हनुमान को द्वारका बुलाने भेजा, स्वयं राम का रूप धारण किया और सत्यभामा को सीता का रूप लेने को कहा। सुदर्शन चक्र को द्वार पर पहरा देने का आदेश दिया। गरुड़ जी, हनुमान के पास गए और उन्हें द्वारका चलने को कहा। हनुमान ने कहा, 'आप चलिए, मैं आता हूं।' गरुड़ जी ने सोचा कि पता नहीं यह बूढ़ा वानर कब द्वारका पहुंचेगा। जब गरुड़ द्वारका पहुंचे तो देखा कि हनुमान उनसे पहले ही भगवान के चरणों में विराजमान थे। गरुड़ जी लज्जित हो उठे। भगवान ने पूछा, 'तुम बिना आज्ञा के भीतर कैसे आए?' हनुमान ने सुदर्शन चक्र को अपने मुंह से निकालकर कहा, 'इन्होंने रोकने की कोशिश की, इसलिए इन्हें साथ ले आया।'

सामयिक

बढ़ता वायु प्रदूषण घटती सांसें

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

प्रत्येक वर्ष अक्टूबर के तीसरे हफ्ते से हवा का मिजाज बिगड़ने लगता है। स्माग, पीएम 2.5 में वृद्धि और धुंध से वायु गुणवत्ता सूचकांक निम्न स्तर पर पहुँच जाता है। अभी केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता 354 दर्ज हुई, जोकि अत्यधिक खराब श्रेणी में आती है। वहीं दिल्ली के जमुना पार क्षेत्र के विवेक विहार में यह 415 एक्यूआई के अति गंभीर श्रेणी में दर्ज हो चुकी है। दिल्ली देश की राजधानी है, यहाँ की तस्वीर पूरे विश्व में देश की छवि खराब करती है और इसीलिए दिल्ली का वायु प्रदूषण लाइम लाइट में आ जाता है। अन्यथा यह हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी व मध्य उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के अरावली के पूरब वाले करीब एक दर्जन जिलों का साझा गंभीर संकट है। कमोवेश यह संकट पूरे उत्तर भारत और मुम्बई, अहमदाबाद जैसे बड़े नगरों का भी है।

प्रदूषण की समस्या आधुनिक जीवन शैली और तेज विकास का प्रतिफल है। विकास से जीवन में सुविधाएं तो बढ़ीं, किन्तु हमारी मूलभूत आवश्यकता-शुद्ध हवा नहीं रही। जीवन शैली को पीछे ले जाकर प्रकृति से जोड़ पाना अब सम्भव नहीं है। विकास की गति को भी नहीं रोक सकते। किन्तु विकास से पूर्व उससे जुड़ी पर्यावरणीय क्षति का आकलन तो किया ही जाना चाहिए और क्षतिपूर्ति के लिए समानान्तर योजनाएं बनाकर उसका शत प्रतिशत क्रियान्वयन भी होना चाहिए। पराली प्रबंधन के लिए सरकार को स्वयं आगे आना होगा।

वायु हमारे पर्यावरण का वह घटक है, जो सबको समान रूप से प्राप्त है। यह प्रदूषित है, तो सब के लिए अस्वास्थ्यकर होता है। किन्तु बच्चे, वृद्ध और गर्भवती महिलायें वायु प्रदूषण के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। जब यह प्रदूषित हवा में साँस लेते हैं तो श्वसन संक्रमण का दुष्परिणाम अधिक हो सकता है। वृद्ध लोग प्रदूषण की चपेट में आकार इस्केमिक हृदय रोग और स्ट्रोक के शिकार हो सकते हैं। इससे बच्चों में अस्थमा और ब्रॉन्काइटिस की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों का श्वसन तंत्र विकाशील अवस्था में होता है। प्रदूषित वायु स्वासनली और फेफड़ों के स्वस्थ विकास में बाधक हो जाती है। प्रदूषित वायु से फेफड़े की वायुथैलियों (एल्वियोलस) का विकास 20 प्रतिशत तक कम हो सकता है, जो तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर बच्चे के स्वास्थ्य के लिए घातक होता है। गर्भवती महिलायें जो निम्न वायु गुणवत्ता वाले क्षेत्र में रहती हैं, उनके लिए फेफड़े से जुड़ी व्याधियाँ, हृदयाघात तथा कैंसर का खतरा तो रहता ही है, उनकी आने वाली संतान के मानसिकमन्द या किसी शारीरिक अक्षमता से ग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है।

वायु प्रदूषण प्राकृतिक प्रकोप नहीं, बल्कि मानवीय असावधानियों का परिणाम है। आज की तारीख में बड़े-बड़े कल-कारखाने और इस्पात संयन्त्र हैं, ताप विजलीघर हैं। इनमें कई इकाइयां आसपास स्थित होती हैं। यहाँ की भट्ठियों में सैकड़ों टन कोयले का दहन होता है। इससे बहुत अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है, जो राख और कार्बन मोनो आक्साइड के साथ मिलकर वायुमण्डल में प्रवेश करता है। सड़कों और रेलमार्ग पर लाखों वाहन दौड़ रहे हैं। आसमान में वायुयान की उड़ानें भी अधिक हो चुकी हैं। इसमें जीवाश्म ईंधन का उपयोग होता है। यह वायु में सल्फर और नाइट्रोजन के आक्साइड, हाइड्रोकार्बन, सीसा, अमोनिया और अधजले पेट्रोल-डीजल के कण छोड़ते हैं। औद्योगिक अनुसंधान परिषद और केन्द्रीय सड़क अनुसंधान परिषद के संयुक्त शोध के अनुसार, दिल्ली जैसे कई बड़े शहरों के आसपास लगातार जाम से वाहन सवा से डेढ़ गुना अधिक जहरीला धुआँ छोड़ते हैं। यह पीएम 2.5 और नाइट्रोजन आक्साइड के बड़े स्रोत हैं।

पुराने भवनों, कारखानों और पुलों का गिराया जाना, बड़ी-बड़ी कालोनियों का निर्माण, फ्लाइओवर और सड़कों का अंधाधुंध विस्तार भी वायुमंडल को प्रदूषित करने के मामले में अग्रणी हैं। इससे ढेर सारा पार्टिकुलेट मैटर वायुमंडल में प्रवेश करता है। यह पीएम जितने सूक्ष्म होते हैं, फेफड़े की वायु थैलियों उतनी ही गहराई में जाकर स्वास्थ्य के लिए विनाशकारी बनते हैं। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर-2025 की ताजा पीएम 2.5 और ओज़ोन एक्सपोजर आंकड़ों से प्राप्त वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य की जांच का जो निष्कर्ष है, उसके अनुसार, वायु प्रदूषण दुनिया के सबसे बड़े कारकों में से एक बना हुआ है। शुरू सर्दियों में दिल्ली जैसे कई शहर स्माग की बिकराल समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं। वस्तुतः पकिस्तान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धान की पराली जलाने से होने वाले धुआँ के साथ औद्योगिक इकाइयों की दहन भट्ठियों की गैस और वाहनों का उत्सर्जन सब मिलकर आसमान में धुंध की चादर बनकर छा जाती है। इस मौसम में हवा का बहाव बहुत धीमा होता है। परिणामतः हवा में तैरते और फंसे हुए प्रदूषक एक ही छोटे परिक्षेत्र में काफी देर तक मौजूद रहते हैं और साँस के जरिए अधिक मात्रा में शरीर के अन्दर जाते हैं। स्माग से ए.क्यू.आई. यानी वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर चिंताजनक होने लगता है।

एक्यूआई मूलतः वायु की गुणवत्ता की दैनिक रिपोर्टिंग है, जब यह 100 से अधिक हो जाती है तो औसत से अधिक मानी जाती है। अभी दिल्ली एनसीआर और पश्चिमोत्तर भारत की वायु गुणवत्ता की जो अति गम्भीर दशा है, उसमें चिकित्सक सांस की समस्या से पीड़ित लोगों के लिए तत्काल स्थान छोड़ देने की सलाह देते हैं। यह स्थिति शांत सतही हवा, उच्च आद्रता और रात के तापमान में गिरावट की निष्पत्ति होती है। वास्तव में ऊपर की गर्म हवा की परत नीचे की ठंडी हवा की परत को फँसाकर गतिहीन कर देती है, जिससे प्रदूषक बिखर नहीं पाते हैं और वायु गुणवत्ता सूचकांक नीचे चला जाता है।

'द लैंसेट जर्नल' की एक रिपोर्ट की रोशनी में देखें तो सन 2022 में पीएम 2.5 के प्रदूषण के कारण भारत में सत्रह लाख लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे ही क्लाइमेट ट्रेंड्स' और आईआईटी-दिल्ली' के एकीकृत अध्ययन में सामने आया है कि भारत के गांवों की हवा भी पहले जैसी शुद्ध नहीं रही। अध्ययन का दावा है कि ग्रामीण भारत में पीएम 2.5 का स्तर अब शहरी परिक्षेत्र के करीब पहुँच गया है। पिछले दिनों ग्रामीण इलाकों में अल्ट्राफाइन पार्टिकुलेट मैटर का औसत 46.4 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर दर्ज हुआ था, जबकि शहरों में यह 46.8 था। इस प्रकार दोनों क्षेत्रों के बीच का फर्क एकदम नगण्य सा रह गया है। पीएम 2.5 का राष्ट्रीय मानक 40 माइक्रोग्राम है, जो दोनों जगहों पर टूट चुका है। इसका असर जीवन प्रत्याशा पर पड़ रहा है। वायु प्रदूषण के कारण गाँव में रहने वालों की आयु औसतन पाँच साल दो महिना कम हो रही है, जबकि शहरों में यह चार साल पाँच महीने है। ग्रामीण क्षेत्र में फैले ढेर सारे ईंट भट्ठे, कचरा निपटान का असुरक्षित तरीका, खुले जल निकास, मृत पशुओं के सफाये के लिए गिद्धों का अभाव और कृषि अवशेषों का दहन जैसे कारणों से यहाँ की वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब हो रहा है।

प्रदूषण की समस्या आधुनिक जीवन शैली और तेज विकास का प्रतिफल है। विकास से जीवन में सुविधाएं तो बढ़ीं, किन्तु हमारी मूलभूत आवश्यकता-शुद्ध हवा नहीं रही। जीवन शैली को पीछे ले जाकर प्रकृति से जोड़ पाना अब सम्भव नहीं है। विकास की गति को भी नहीं रोक सकते। किन्तु विकास से पूर्व उससे जुड़ी पर्यावरणीय क्षति का आकलन तो किया ही जाना चाहिए और क्षतिपूर्ति के लिए समानान्तर योजनाएं बनाकर उसका शत प्रतिशत क्रियान्वयन भी होना चाहिए। पराली प्रबंधन के लिए सरकार को स्वयं आगे आना होगा। इसके लिए एक संवेदनशील ढांचा बनाना आवश्यक है, साथ ही कार्यकारी नीतियों के क्रियान्वयन की प्रतिबद्धता भी उतनी ही जरूरी है। नदियों के तटों, कस्बायी और शहरी बस्ती के चारों तरफ हरित पट्टी का विकास भी वायु गुणवत्ता सुधार की दृष्टि से एक बड़ा उपाय हो सकता है। हमें भी अपनी जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए, मैं गाँव में रहता हूँ। यहाँ आठ सौ परिवारों के बीच चार-पाँच परिवार ऐसे हैं, जिनका दिवाली में पटाखों का बजट दस से पन्द्रह हजार के बीच होता है। वैसे सनातन विरोधियों के बयानों को दर किनार करके देखें तो प्रदूषण में पटाखों का प्रदेय नाममात्र का होता है, फिर भी उल्लास के नाम पर बेहिसाब प्रदर्शनों से बचना भी आवश्यक है।

नजरिया

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता।

उचित समय रहते पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है।

अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रचार

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता कल्पना सोरेन झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला में घाटशिला उपचुनाव से पहले पार्टी उम्मीदवार सोमेश सोरेन के समर्थन में प्रचार अभियान के दौरान समर्थकों का अभिवादन करती हुईं।

मरयम नवाज के पति ने कट्टरपंथी इस्लामी हत्यारे के पक्ष में बयान दिया, सोशल मीडिया पर आलोचना

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरयम नवाज के नेतृत्व वाली सरकार की सिफारिश पर तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पर प्रतिबंध के बीच उनके पति पंजाब के तत्कालीन गवर्नर सलमान तासीर के कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी से प्रेरित हत्यारे के पक्ष में खुलेआम बोल रहे हैं। उनके बयान की सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना हो रही है। हाल में लाहौर से लगभग 170 किलोमीटर दूर चिओट जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए मरयम के पति कैप्टन (सेवानिवृत्त) सफदर अवान ने अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय के खिलाफ नफरतभरा भाषण दिया और दुआ की कि पाकिस्तान के हर घर में मुमताज कादरी पैदा हो। वर्ष 2011 में तासीर की हत्या करने के जुर्म में कादरी को फरवरी 2016 में फांसी दे दी गई। तासीर के पुलिस गार्ड कादरी ने उन्हें इसलिए गोली मार दी थी, क्योंकि गवर्नर ने ईशनिंदा कानूनों की आलोचना की थी और ईशनिंदा की आरोपी ईसाई महिला आसिया बीबी का समर्थन किया था। सफदर ने कहा कि वह चाहते हैं कि 'खत्म-ए-नबूवत' की हिफाजत करने के लिए पाकिस्तान के हर घर में मुमताज कादरी जैसा व्यक्ति पैदा हो। उन्होंने कहा कि उन्हें डर है कि कहीं कादियानी (अहमदिया समुदाय) चिनाब नगर में जमीन खरीदकर इजराइल की तरह अपना देश न बना लें। 'खत्म-ए-नबूवत' इस्लामी अवधारणा है जिसका मतलब है कि पैगंबर मोहम्मद अल्लाह द्वारा भेजे गए सभी पैगंबरों में अंतिम पैगंबर हैं और उनके बाद कोई पैगंबर नहीं आएगा।

प्रादा की 69,000 रुपए की क्रौशे 'सेफ्टी-पिन' इंटरनेट पर चर्चा का विषय बनी

नई दिल्ली/भाषा। रोज़मर्रा की ज़रूरत 'सेफ्टी पिन' अब बेशकीमती हो गई है। कम से कम इसकी कीमत के मामले में तो यही कहा जा सकता है। इतालवी लक्जरी फैशन ब्रांड प्रादा ने इस साधारण धातु के 'फास्टनर' की कीमत 775 अमेरिकी डॉलर या लगभग 69,000 रुपए आंकी है।पीतल की पिन, ब्रौच का भी काम करेगी। इसकी डिज़ाइनर विशेषता इसकी सुनहरी चमक और क्रोशिये की बारीक कारीगरी है। यह ऑनलाइन और क्रोशिया समुदाय में तेज़ी से चर्चा का विषय बन गई है। कई लोगों ने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी जताई है।प्रादा की नवीनतम पेशकश ने विशेष रूप से क्रोशिया प्रेमी समुदाय को नाराज कर दिया, जिसने इसे अनुचित बताया तथा इसे खरीदने वालों की पसंद पर सवाल उठाया। गाजियाबाद की क्रोशिया कारीगर रजनी शर्मा ने कहा कि यह बड़े ब्रांडों द्वारा विलासिता के नाम पर लोगों को लूटने का एक और तरीका है तथा इसे बनाने में दो मिनट से ज्यादा समय नहीं लगेगा। शर्मा ने कहा, ''क्रोशिया की शुरुआती स्तर की समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति इसे बना सकता है।'' उन्होंने कहा कि पिन के लूप से शुरू करके, एक या एक से ज़्यादा रंगों में 'सिंगल क्रोशिया' टाँकों की एक पंक्ति बनाकर 'प्रादा सेफ्टी पिन' बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इसे आकर्षक दिखाने के लिए आप इसमें कुछ और आकर्षक बना सकते हैं। शर्मा की भावना को सोशल मीडिया पर क्रॉशेटर्स ने दोहराया, जिन्होंने इंस्टाग्राम रील पोस्ट कीं और सेफ्टी पिन के अपने संस्करण अपलोड किए। कुछ ने तो इसे एक मिनट से भी अधिक समय में बना लिया। इंटरनेट पर भारतीयों ने इसे ''अंधाधुंध लूटमार'' कहा और इसकी तुलना अपनी माताओं के निजी संग्रह से की, वहीं दुनिया भर के सोशल मीडिया अकाउंट ने एक साथ मिलकर सेफ्टी पिन के बेतुकेपन पर हंसी उड़ाई। सपना मदान नाम की एक उपयोगकर्ता ने 'एक्स' पर लिखा, 'अंधाधुन लूटमार बाय प्रादा।

बांग्लादेश के कलाकारों ने 18 साल बाद पाकिस्तान में प्रस्तुति दी

कराची/भाषा। बांग्लादेशी कलाकारों की 18 साल बाद पाकिस्तान में प्रस्तुति ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ये कलाकार कराची कला परिषद में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भाग ले रहे हैं। बांग्लादेशी दल में कई कलाकार हैं, जिनमें कुछ हिंदू कलाकार भी हैं। बुधवार रात शिरीन जवाद की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'बांग्लादेश आर्ट वीक' की संस्थापक निहारिका मुमताज कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''लगभग 18 साल बाद पाकिस्तान में बांग्लादेशी कलाकारों के लिए यह अवसर हमारी सांस्कृतिक विविधता को यहां के लोगों के सामने प्रस्तुत करने का शानदार मौका है।'' पिछले एक दशक से अधिक समय से जारी राजनयिक और राजनीतिक मतभेदों के कारण बांग्लादेशी कलाकारों की पाकिस्तान में आधिकारिक यात्राएं बंद थीं। 2010 में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के कार्यकाल में 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तानी सेना के सहयोगियों के खिलाफ मुकदमों की शुरुआत के बाद दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे।

प्रेरणा अरोड़ा ने 'जटाधर' में जीवंत की सिनेमाई आध्यात्मिकता, आस्था, ऊर्जा और यथार्थ से जुड़ी एक अनोखी फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

जैसे ही ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा प्रस्तुत 'जटाधर' कल रिलीज़ होने जा रही है, दर्शकों की उत्सुकता अपने चरम पर पहुँच चुकी है। फिल्म के रचनात्मक स्तंभ, निर्देशक अभिषेक जायसवाल और वेंकट कल्याण तथा निर्माता प्रेरणा अरोड़ा, बताते हैं कि किस तरह एक दशक लंबी रिसर्च, श्रद्धा और तैयारी ने इस शक्तिशाली सिनेमाई ब्रह्मांड को आकार दिया है, जहाँ दिव्यता और अंधकार का संगम होता है। सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत 'जटाधर' पारंपरिक सुपरनैचुरल थ्रिलर की सीमाओं से परे जाती है। यह फिल्म आस्था, आध्यात्मिक शक्ति और दैवीय अधिष्ठान की गहराइयों में उतरती है, जो भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना में गहराई से निहित हैं। फिल्म की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए अभिषेक जायसवाल ने महीनों तक अवेशग्रस्त व्यक्तियों का अध्ययन किया, उनकी ऊर्जा के परिवर्तन, आवाज़ के उतार-चढ़ाव और शरीर की भाषा को बारीकी से देखा। इन्हीं अनुभवों ने फिल्म के सबसे तीव्र दृश्यों को भावनात्मक और शारीरिक रूप से जीवंत बनाया।

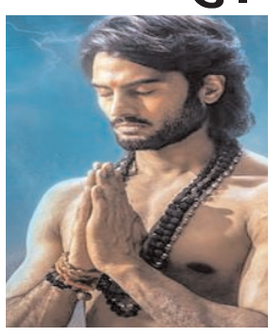

अभिषेक कहते हैं, मैं चाहता था कि अभिनेता केवल अभिनय न करें, बल्कि उस अवस्था को महसूस करें। आवाज़ का बदलना, सांसों की लय, आंखों का भाव, हमने हर चीज़ को वास्तविक ऊर्जा से पुनःनिर्मित किया है। दर्शक सिर्फ देखें नहीं, बल्कि अनुभव करें। जहाँ अभिषेक ने व्यवहार पर ध्यान केंद्रित किया, वहीं वेंकट कल्याण ने कहानी के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं में खुद को डुबो दिया। उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा को वास्तविक 'पिशाची' प्रस्तुतियों से रूबरू कराया ताकि वह दैवीय आवेश को सच्चाई से आत्मसात कर सकें। वेंकट बताते हैं, सोनाक्षी बेहद समर्पित थीं। वह एक भी पल नकली नहीं दिखाना चाहती थीं। उन्होंने असली पिशाची अनुष्ठानों को देखा, वहाँ की आक्रोश, भक्ति और रूपांतरण को समझा। उन्होंने सब कुछ आत्मसात किया और बेहद सशक्त प्रदर्शन दिया।

वेंकट, जो पिछले दस वर्षों से 'जटाधर' पर काम कर रहे हैं, ने तेलंगाना के बोनालू जैसे त्योहारों में भाग लेकर दैवीय ऊर्जा की असली अनुभूति हासिल की। वह कहते हैं, बोनालू ने मुझे सिखाया कि दैवीय ऊर्जा कैसी होती है, एक साथ अराजक, सुंदर और पवित्र। मैंने दस वर्षों में 'जटाधारा' को इस द्वैत भावना को पकड़ने के लिए संवारा है, जहाँ भक्ति और विनाश एक दूसरे से टकराते हैं। निर्माता प्रेरणा अरोड़ा, जो गहराई और सशक्त कथानक वाली फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, बताती हैं कि 'जटाधर' आध्यात्मिकता और कहानी कहने की एक दुर्लभ संगम है। वह कहती हैं, 'जटाधर' सिर्फ एक फिल्म नहीं, यह एक आध्यात्मिक अनुभव है। शोध से लेकर दृश्य निर्माण तक, हर तत्व सत्य पर आधारित है।

कमल हासनः सात फिल्मों को मिला ऑस्कर के लिए नामांकन, दुनिया में मनवाया अपना लोहा

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय सिनेमा के वरिष्ठ कलाकार कमल हासन अपने अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में 60 साल से ज्यादा का सफर तय करने वाले कमल हासन ने सिनेमा को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि कला का मंच बना दिया। उनकी फिल्मों में अभिनय, निर्देशन, पटकथा, संगीत और डांस का ऐसा मिश्रण देखने को मिलता है, जो बहुत कम कलाकारों में होता है। अभिनेता की खासियत यह भी है कि उनकी सात फिल्मों को ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया, जो किसी भी कलाकार के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। कमल हासन का जन्म 7 नवंबर 1954 को तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने बहुत ही छोटी उम्र में सिनेमा में

कदम रखा। सिर्फ पांच साल की उम्र में ही उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'कलाथुर कन्नम्मा' में बतौर बाल कलाकार काम किया। उस समय उनकी मासूमियत और अभिनय की क्षमता ने दर्शकों और फिल्म क्रिटिक्स दोनों का दिल जीत लिया। उनकी इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट का प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल भी मिला। यह उनके करियर की शुरुआती बड़ी सफलता थी, जिसने आगे आने वाले वर्षों के लिए रास्ता तैयार किया। आगे चलकर कमल हासन ने कई बड़े स्टार्स के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने एम.जी.आर., शिवाजी गणेशन और जेमिनी गणेशन जैसी तमिल सिनेमा की दिग्गज हस्तियों के साथ स्क्रीन साझा किया, जिनमें उनकी प्रतिभा साफ नजर आई और धीरे-धीरे उन्होंने खुद को एक प्रमुख अभिनेता के रूप में स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। उनकी बहुभाषी फिल्मों ने उन्हें पूरे देश में लोकप्रिय बना दिया।

कमल हासन का करियर सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने फिल्मों में निर्देशन, पटकथा लेखन, गाने, संगीत निर्देशन और कोरियोग्राफी जैसे कई क्षेत्रों में भी अपना नाम बनाया।

जन्नत जुबैर ने की 'ब्यूटी फिल्टर ऐप्स' की आलोचना

मुंबई । बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपने पॉडकास्ट शो में टीवी और सोशल मीडिया स्टार जन्नत जुबैर को बुलाया। इस एपिसोड में दोनों अभिनेत्रियों ने हल्की-फुल्की बातों से लेकर कुछ गंभीर विषय, जैसे डिजिटल दुनिया, सोशल मीडिया का दबाव और आज की पीढ़ी पर उसके असर को लेकर अपने-अपने विचार साझा किए। जहां सोहा ने सवाल बड़ी सादगी से पूछे, वहीं जन्नत ने भी समझदारी से उन सवालों का जवाब दिया।

सोहा ने जन्नत से डिजिटल दुनिया से जुड़ा सवाल पूछा कि ऐसा कौन-सा ऐप है जिसे वह चाहेंगी कि यह कभी बना ही न होता। इस पर जन्नत ने बिना किसी झिझक के कहा कि वे चाहेंगी कि 'रैंडम ब्यूटी फिल्टर ऐप्स' कभी न बने होते।

उन्होंने बताया, ''ऐसे ऐप्स युवाओं में अवास्तविक सुंदरता की परिभाषा गढ़ते हैं और यह मानसिक रूप से खतरनाक हो सकता है। आज की युवा पीढ़ी इन फिल्टर्स के चक्कर में खुद की तुलना नकली सुंदरता से करने लगती है, जिससे आत्मविश्वास पर बुरा असर पड़ता है।'' जन्नत ने कहा, ''फोटो को थोड़ा-बहुत एडिट करना बुरा नहीं है।

अगर किसी तस्वीर में कोई दाग-धब्बा हो या चेहरा थोड़ा थका हुआ दिखे तो हल्की एडिटिंग की जा सकती है। लेकिन जब लोग अपनी पूरी शक्ल बदल देते हैं, होंठों को बड़ा, आंखों को चमकदार, जबड़े को पतला और चेहरा बिल्कुल अलग बना लेते हैं, तो यह सही नहीं है।

अनुष्का शेट्टी ने महिला केंद्रित फिल्मों के जरिए बनाई अलग पहचान, अपने दम पर हिट कराई कई फिल्में

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मस्टार अनुष्का शेट्टी ने अपनी अदाकारी और मेहनत के दम पर हर किसी का दिल जीता है। हिंदी सिनेमा के दर्शक उन्हें सबसे ज्यादा फिल्म 'बाहुबली' से पहचानते हैं, लेकिन दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अनुष्का ने कई सालों से अपनी अलग पहचान स्थापित की है। सिर्फ बड़े सितारों के साथ रोमांस या हिट फिल्में करना ही उनका मकसद नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने दम पर महिला केंद्रित फिल्मों में भी नाम कमाया। 'साइज जीरो', 'रुद्रमादेवी' और 'घाटी' जैसी फिल्मों में उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक मजबूत किरदार और कड़ी मेहनत से किसी भी हीरोइन के लिए अपने दम पर फिल्म हिट करना संभव है। अनुष्का शेट्टी का जन्म 7 नवंबर 1981 को कर्नाटक के मंगलुरु में हुआ था। उनका असली नाम स्वीटी शेट्टी है। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं था। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में आगे थीं। उनकी खूबसूरती और व्यक्तित्व ने उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाया। फिल्मों में आने से पहले अनुष्का योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में काम करती थीं। उनकी फिटनेस और स्टाइल को देखकर एक डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म का ऑफर दिया और इसी से उनका सिनेमा का सफर शुरू हुआ।

अनुष्का ने साल 2005 में तेलुगू फिल्म 'सुपर' से अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्हें नागार्जुन जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता हासिल की, लेकिन अनुष्का की एक्टिंग और उपस्थिति ने इंडस्ट्री में उन्हें एक पहचान दिला दी। इसके बाद उन्होंने साल 2008 में 'शौर्यम' में हिट स्टार गोपीचंद के साथ काम किया। इस फिल्म में उनकी केमिस्ट्री और अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साल 2009 में आई फिल्म 'अरुंधति' ने अनुष्का की प्रतिभा को पूरी तरह सामने लाया। इसके बाद 2010 में उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म 'वेदम' में काम किया। इस फिल्म में उनका किरदार एक वेश्या का था, जो अपने जीवन में बदलाव की कोशिश करती है। भले ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता पाई, लेकिन अनुष्का के अभिनय की जमकर तारीफ हुई।

महिला केंद्रित फिल्मों में उन्होंने अपने दमदार अभिनय को साबित किया और 2015 में 'रुद्रमादेवी' फिल्म पेश की। इस फिल्म में उन्होंने एक मजबूत महिला शासक का किरदार निभाया। इसके पहले उन्होंने 'साइज जीरो' फिल्म के लिए अपना 20 किलो वजन बढ़ाया था, ताकि उनके किरदार को सही ढंग से पेश किया जा सके। इन महिला प्रधान फिल्मों के जरिए उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। अनुष्का शेट्टी को उनकी मेहनत और अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। उन्हें तीन बार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुका है। इसके अलावा उन्हें नंदी पुरस्कार, तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार और कई अन्य सम्मान भी मिल चुके हैं।

निरीक्षण

रेलवे बोर्ड सदस्य (वित्त) उषा वेणुगोपाल वाराणसी में बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के निरीक्षण के दौरान निरीक्षण करती हुई।

सत्यजीत रे की फिल्म के काल्पनिक पात्र 'गूपी' और 'बाघा' बंगाल में एसआईआर को लेकर जागरूकता फैला रहे

कोलकाता/भाषा

सत्यजीत रे द्वारा अपनी फिल्मों में अमर कर दिए गए काल्पनिक पात्र गूपी और बाघा वापस आ गए हैं, लेकिन इस बार किसी साहसिक कार्य के लिए नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी आशंकाओं को दूर करने के लिए। गायक गूपी और ढोलकिया बाघा बंगाली फैंटेसी और एडवेंचर कॉमेडी फिल्मों की एक श्रृंखला के मुख्य किरदार हैं। ये किरदार सत्यजीत रे के दादा उपेन्द्र किशोर रे की लिखी एक कहानी पर आधारित हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने गूपी और बाघा की मशहूर जोड़ी का सहारा लिया है ताकि लोगों में एसआईआर से जुड़ी जागरूकता फैलायी जा सके। एक नई सोशल मीडिया मुहिम में, प्रसिद्ध अभिनेता खराज मुखर्जी, सुजान मुखोपाध्याय और विश्वनाथ बसु ने क्रमशः शुंडी नामक काल्पनिक राज्य के राजा, गूपी और बाघा की भूमिकाएं निभाई हैं। यह सत्यजीत रे की 1969 की फिल्म 'गूपी गायने बाघा बायने' से प्रेरित एक हास्यपूर्ण और संगीतमय लघु फिल्म है।

सोमवार को जारी किए गए इस लघु वीडियो को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के फेसबुक पेज पर पोस्ट किया गया है, जिसमें दोनों को शुंडी के राजा के दरबार में गीत गाते हुए दिखाया गया है, तथा सरल और लयबद्ध शब्दों में एसआईआर प्रक्रिया को समझाया गया है। यह जोड़ी गीत गाते हुए एसआईआर प्रक्रिया के नियमों को समझाती है। वे लोगों को बताते हैं कि अगर उनके नाम 2002 की सूची में नहीं है, तो घबराने की ज़रूरत नहीं है, और साथ ही उन्हें याद दिलाते हैं कि चार दिसंबर की आखिरी तारीख से पहले फॉर्म जमा कर दें। गूपी और बाघा जैसे मशहूर किरदारों पर आधारित यह मुहिम उस समय शुरू की गई है जब एसआईआर को लेकर राजनीतिक माहौल गरम है।

भाजपा का कहना है कि कोई भी विदेशी मतदाता मतदाता सूची में नहीं रहेगा, जबकि तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि यह पूरी प्रक्रिया एक तरह की खामोशी से एनआरसी करने जैसी है जिसका मकसद देश के नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करना है। वहीं, वाम पक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ पार्टी ने मतदाता सूची में फर्जी नाम भर दिए हैं और उनका कहना है कि असली मतदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

अब कुछ समय के लिए आराम करना चाहता हूं : विवेक रंजन

चण्डीगढ़/एजेन्सी

हाल ही में रिलीज हुई द बंगाल फाइल्स के बहुचर्चित फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने अपनी पिछली तीन फिल्मों के निर्माण के दौरान हुए पीड़ादायक अनुभवों को आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को पत्रकारों से रू-ब-रू होते हुए सांझा किया। उन्होंने बताया कि मजे की बात ये है कि फाइल्स-त्रयी ताशकंद फाइल्स, कश्मीर फाइल्स और द बंगाल फाइल्स फिल्मों का विरोध करने वाले ही ये फ़िल्में देखने सबसे पहले पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब वे कुछ समय तक आराम करना चाहते हैं और इसके बाद वे महाभारत पर आधारित थीम पर काम करेंगे। इस अवसर पर अग्निहोत्री ने बताया कि वे आज अपनी फिल्म द बंगाल फाइल्स की पहली बार ट्राईसिटी चंडीगढ़ में स्क्रीनिंग के लिए आए हैं। पत्रकार

वार्ता के दौरान उनके साथ टीम सिने इंडिया से एडवोकेट आरती शर्मा और अनुपिंदर सिंह लाली मुलतानी भी मौजूद रहे। अग्निहोत्री ने कहा कि वे भी चाहते हैं कि पहले की तरह चण्डीगढ़ आकर रोज गार्डन-रॉक गार्डन में घूमे लेकिन वाई श्रेणी के सुरक्षा घेरे की वजह से अब वे कैद में हैं। जीवन जेल जैसा बन गया है, लेकिन भीतर का एक्टिविस्ट जीवित है। वह काम करता रहेगा। वे कुछ देर आराम चाहते हैं व उसके बाद फिर से सक्रियता से काम में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से मानसिक थकान और फतवों के अलावा हमलों की पीड़ा झेल रहे हैं, लेकिन भीतर के एक्टिविस्ट ने उन्हें आराम नहीं करने दिया, नतीजन काफी कुछ सहना पड़ा। तरह-तरह की धमकियां मिली जिससे उनकी मानसिक शांति भंग हुई। यहां तक कि उनका दायां कंधा भी एक हमले में टूट गया। यानी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का दर्द झेलना पड़ा, परंतु इससे उनका फिल्म बनाने का जुनून कम नहीं हुआ।

इस सबका का असर यह रहा कि यह पीड़ा और विरोध उन पर हावी हो गया और लोगों ने उन्हें अक्सर काले कपड़ों में देखा। आज लंबे अर्से के बाद वे काले कपडे छोड़ सफेद कपड़ों में सबके सामने आए हैं।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी को अपना आदर्श बताया व कहा कि वे श्रीकृष्ण और अष्टावक्र जी की गीता से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि जिस श्रेणी की फिल्में वह बनाते हैं, उन पर काफी रिसर्च होती है। हालांकि लव स्टोरी जैसे विषयों पर फिल्में पलक झलकते हुए भी बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले वह भी खेल और लव स्टोरी पर आधारित फिल्में बना चुके हैं। हर विषय पर फिल्म बनाई है, लेकिन अब देश के लिए ही काम करने की इच्छा है। एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि अगले वर्षों में वह पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर फिल्म बनाने की इच्छा तो रखते हैं। परन्तु अगर कोई रिलीज कराने की गारंटी ले तो, वे अवश्य बनाएंगे।

शतक सरगम सिंफोनी में झलका भक्ति का सुरधाम

सौ से अधिक संगीतकारों की सुरलहरियों ने बांधा समां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में चल रहे अष्टान्हिका महोत्सव के अंतर्गत बुधवार सायं आयोजित 'शतक सरगम' सिंफोनी ने सैंकड़ों उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक रस में सराबोर कर दिया। पीटीआर हॉल में आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में सौ से अधिक संगीतकारों ने अलग-अलग टीमों और वाद्यवृंद रचना में जुड़कर अपनी संगीत प्रतिभा का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कुमारपाल जैन के मार्गदर्शन में नवकार मंत्र की मंगलध्वनि से हुई। इसके पश्चात मुनि दीनदयाल म.सा. की रचना मधुरभाषिणम' की सुमधुर प्रस्तुति ने वातावरण को शांत-सुधामयी बना दिया। इस अवसर पर मशहूर शास्त्रीय संगीतकार कुलदीप सागर द्वारा राग भैरवी में प्रस्तुत 'जिन तेरे चरण की शरण रहूं' ने सभागार में ऐसा भक्ति-साधना का रंग भरा कि श्रोता झूम उठे। उनकी संगीत-सुर साधना और समर्पण भक्ति ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक उर्जा से भर दिया। इसके बाद विभिन्न थीम आधारित टीमों ने अपनी-अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से वातावरण को संगीतमय बना दिया। गुरुकुल बच्चों की टीम राजुल की प्रस्तुति शासन थीम, टीम चंदनबाला की तपस्या थीम, टीम देवचंद्र की नेमीनाथ थीम, टीम सुलसा की पालीताणा महातीर्थ थीम, टीम आनंदघन का शास्त्रीय शैली में गुरु-भक्ति गीत, टीम सकलचंद्र की आदेश्वर भगवान स्तुति ने श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। इसके साथ ही टीम मृगावती ने 'पार्श्वनाथ भगवान पर कैसा ये जादू किया ओ मेरे शंखेश्वरा' की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। टीम ज्ञानविमल ने 'जय हो गिरनार' से नेमीनाथ भगवान की महिमा को नमन किया। टीम दीपविजय ने 'शासन हमको जान से प्यारा है' गीत से जिनशासन-भक्ति का घोष किया। टीम मइनासुंदरी द्वारा जीरावला थीम तथा टीम रेवती द्वारा संयम विषयक भावरचना ने हृदयों में शांति और श्रद्धा की पवित्रता भरी।

कार्यक्रम का उत्कर्ष क्षण वह रहा जब सभी सौ से अधिक संगीतकारों ने एक साथ 'आदेश्वरा परमेश्वरा जिनेश्वरा' की वाद्यवृंद रचना एक ही सुर-ताल-लय में प्रस्तुत की। पूरा सभागार दीर्घ समय तक तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा। अंत में संघ की ओर से संयोजक श्रेणिक नाहर, सहसंयोजक कुमारपाल जैन व सिद्धार्थ कोचर, कुलदीप सागर, लाभार्थी कंचनबेन कांतिलाल शाह परिवार तथा सभी टीमों का अभिनंदन-सम्मान किया गया। सिद्धार्थ कोचर ने सभी के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

वरघोड़े में आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वर म.सा. अपने शिष्य समुदाय के साथ

भाव, भक्ति और उल्लास के बीच निकला मुमुक्षु निर्मलादेवी का वरघोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान और आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में शुक्रवार सुबह मुमुक्षु निर्मलादेवी की दीक्षा का शुभ और ऐतिहासिक अवसर संपन्न होगा। दीक्षा पूर्व गुरुवार को मुमुक्षु का वरघोड़ा अतुलनीय भक्ति, उत्साह और उमंग के वातावरण में निकाला गया। बग्घी में शोभायमान दीक्षार्थी भावनाओं से ओतप्रोत दिखाई दे रही थीं। वरघोड़े में आचार्यश्री की मंगल उपस्थिति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। वरघोड़ा हुलासचंद प्रमोद चौरड़िया परिवार के गृहांगन से प्रारंभ होकर भुवनभानु संयम तपोवाटिका पहुंचा, जहां धर्मसभा का आयोजन हुआ।

धर्मसभा में पंन्यास विमल पुण्यविजयजी एवं साध्वी त्यागनिधिजी की सौवीं ओली तप पूर्ण होने पर पारणा के भावभरे चढ़ावे बोले गए। प्रथम पारणा का लाभ लीलाबाई चंपालाल मंछालाल परिवार ने लिया। इस मौके पर अपने उद्बोधन में पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने कहा कि आयंबिल तप में अपार दिव्यता और शक्ति निहित है। जीवन में गुरु हों तभी आत्मिक विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने इस तप की पूर्णाहुति का श्रेय गुरु चरणों को समर्पित करते हुए भाव व्यक्त किए। इसी क्रम में तीसरे पारणा का भी विशिष्ट चढ़ावा बोला गया, जिसमें 5150 बार बिना संयोजन भोजन लेना होता है। इस पारणा का लाभ मुमुक्षु परिवार द्वारा लिया गया।

समारोह में मुमुक्षु निर्मलादेवी ने गुरुपूजन किया तथा संघ की ओर से अभिनंदन पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर वाटिका उद्घाटन, वरघोड़े के लाभार्थी परिवारों का भी सम्मान किया गया। कालंद्री जैन संघ चेन्नई द्वारा भी विशेष सम्मान किया गया। इस दौरान मुमुक्षु ने दीक्षा पूर्व प्रीतिदान अर्पित किया। पंन्यासजी ने प्रीतिदान की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उपकार की भावना से दिया गया दान ही सच्चा दान कहलाता है।

उन्होंने प्रेरणा दी कि प्रीतिदान ग्रहण करते समय संयम वेश धारण करने की भावना रखनी चाहिए। जयंतीलाल रिखबदास एवं मधुबेन अशोकभाई परिवार नवकारसी के लाभार्थी रहे। मंच संचालन प्रतीक वैदमुथा ने एवं संगीत संयोजन लोकेश राठौड़ और निखिलेश ने किया।

स्वाध्याय भवन में कार्तिक शुक्लु पूर्णिमा पर्व तप-त्याग पूर्वक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट साहूकारपेट में स्थित स्वाध्याय भवन में कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा तिथि पर चौमासी पक्खी पर्व जप-तप- त्याग पूर्वक मनाया गया। कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा चौमासी पक्खी पर्व पर स्वाध्यायी कांतिलाल तातेड़ ने बेले की तपस्या पौषध सहित व निवर्तमान कोषाध्यक्ष प्रकाशचंद ओस्तवाल, युवा रत्न योगेश श्रीश्रीमाल ने उपवास पौषध व दीपक श्रीश्रीमाल ने संवर की साधना की। इस प्रसंग पर स्वाध्यायी लीलमचन्द बागमार ने देवसीय व योगेश श्रीश्रीमाल ने रायसी प्रतिक्रमण करवाया। पौषध व संवर साधना करने वालों के संग स्वाध्यायी ज्ञान बागमार, गौतमचन्द मुणोत, इंदरचंद कर्णावट नवरतनमल चोरडिया, उच्छबराज गांग, आर नरेन्द्र कांकरिया, एल सुमेरचंद मेहता, युवा दीक्षित जैन, युवक परिषद् तमिलनाडु के शाखा प्रमुख सन्दीप ओस्तवाल आदि श्रावकों ने सायंकालीन प्रतिक्रमण करते हुए सर्व जीव राशि से क्षमायाचना की। जैन संकल्प कांतिलाल तातेड़ ने व गुरुओं की सुखसाता पृच्छा पाठ गौतमचन्द मुणोत ने करवाया। सामूहिक वन्दन व मांगलिक के साथ चौमासी पक्खी प्रसंग आध्यात्मिक पर्व के रूप में संपन्न हुआ।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि कार्तिक शुक्ल तिथि चौमासी पक्खी पर्व के पावन प्रसंग पर स्वाध्यायी बन्धुवरों ने सामायिक स्वाध्याय भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य भगवन्त पूज्य हीराचन्द्र म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी व्याख्यात्री महासती श्री सुमतिप्रभा म.सा के दर्शन-वन्दन व प्रवचन श्रवण किए व सामायिक साधना करते हुए साध्वीश्री वर्षा म.सा के मुखारविन्द से धर्म बोध कक्षा में भाग लेकर प्रेरणा प्राप्त की। साध्वीश्री सुमतिप्रभा म.सा, सिन्धुप्रभा म.सा., देवांगना म.सा., वर्षा म.सा., अंजना म.सा., तितिक्षा म.सा. के मुखारविन्द से अनेक आगमों शास्त्रों में उल्लेखित उद्धरणों के माध्यम से फरमाए प्रवचनों को श्रवण किया। सुमतिप्रभा म.सा. के मुखारविन्द से श्रद्धालुओं ने तप-त्याग व प्रत्याख्यान व मांगलिक श्रवण की।

विभिन्न धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा चौमासी पक्खी पर्व सम्पन्न हुआ।

चातुर्मास संपन्न करके कपिल मुनि ने किया विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री कपिल मुनिजी म.सा. ने गोपालपुरम में चातुर्मास संपन्न करके गुरुवार को सुबह मंगल विहार किया। मुनिश्री की विहार यात्रा में शामिल होने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का छाजेड़ भवन में तांता लगना शुरू हो गया। मुनिश्री के प्रस्थान करने से पूर्व नवकार महामंत्र,लोगस्स और भक्तामर स्तोत्र का जाप किया। इसके बाद मुनिश्री विशाल जनमेदिनी के बीच जयकारों के उद्घोष के साथ गुजरते हुए डीएवी बॉयस सेकंडरी स्कूल के सामने स्थित सुभाषचंद नरेश कुमार रांका के निवास पर पहुंचे। यहाँ मुनिश्री के सान्निध्य में धर्मसभा का आयोजन किया गया। चातुर्मास समाप्ति के बाद प्रथम विहार करके अपने आवास पर पदार्पण का लाभ देने के लिए सुभाषचंद रांका ने मुनिश्री के प्रति आभार व्यक्त किया और आगंतुक श्रद्धालुओं का स्वागत किया। मुनिश्री ने गोपालपुरम संघ और रांका परिवार की साधु साध्वियों के प्रति श्रद्धा भक्ति की सराहना की और अपने यशस्वी चातुर्मास की समाप्ति के बाद प्रथम विहार के अवसर पर कहा कि गोपालपुरम व सम्पूर्ण चेन्नई के श्रद्धालु श्रावक धर्मप्रेमी और संत प्रेमी सेवा सद्भावना से ओतप्रोत हैं।

इस मौके पर संघ के अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने गुरुदेव के उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए कहा कि आप अपने ओजस्वी प्रवचनों के माध्यम से खूब धर्म प्रभावना करते रहें और हम भक्तों पर आपकी कृपापूर्ण दृष्टि सदैव बनाएं रखें। मंत्री राजकुमार कोठारी ने सभी के सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया और शेषकाल में गुरुदेव की विहार यात्रा सुखमय, मंगलमय और साताकारी हो ऐसी मंगल भावना व्यक्त की। कोषाध्यक्ष सुनील भड़कतिया ने कहा कि गोपालपुरम में सम्पन्न गुरुदेवश्री का चातुर्मास यादगार व अनेक दृष्टि से उपलब्धिपूर्ण रहा। गुरुदेव के सानिध्य में बिताये पल हमारी जिन्दगी की अनमोल धरोहर है। इस मौके पर चेन्नई के विभिन्न उपनगरों के गणमान्य व्यक्ति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य एवं सर्वश्रेष्ठ अध्यापक पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुंबई के विष्णुदास भावे नाट्यगृह में भारतीय प्रतिभा ओलंपियाड द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पांडिचेरी की पूर्व राज्यपाल डॉ. किरण बेदी और ओलंपिक पदक विजेता-पद्मभूषण पुरस्कार विजेता साइना नेहवाल से चेन्नई- वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज की प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी को सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य और गणित विभागाध्यक्ष डेविड लिविंगस्टन को सर्वश्रेष्ठ अध्यापक पुरस्कार से नवाजा गया।

पानी और संत गतिशील ही मानवता के लिए वरदान : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन भवन से चातुर्मास सम्पन्न कर राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने पहला विहार किया। विहार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ मुनिश्री कोंडीतोप जैन स्थानक भवन पहुंचें। यहां धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि पानी नहीं मिलने पर प्राण संकट में पड़ सकते हैं और संत न मिलने पर मनुष्य भटक जाता है। वर्तमान में संत हमारे लिए परमात्मा से बढ़कर हैं। पानी और संत दोनों का सही उपयोग हो तो दोनों मानवता के लिए वरदान बन जाते है, नहीं तो अभिशाप भी बन सकते है। उन्होंने कहा कि संत जितनी ज्यादा इलाकों में पहुंचेंगे वहां की जनता में ज्ञान चेतना का उतना ही संचार होगा। आध्यात्मिकता की उन्नति होगी संस्कृति संस्कार और चरित्र का निर्माण होगा। पानी बहता रहेगा तो निर्मल रहेगा और जहां-जहां जाएगा पतझड़ में नए बसंत खिलाएगा और एक जगह रहेगा तो पड़ा पड़ा सड़ जाएगा, बदबू और दुर्गंध भी आएगी। इसी तरह संत भी यदि पानी की तरह बहता रहेगा तो आत्मा निर्मल रहेगी और दूसरी आत्मा को भी पवित्र करेगा। संत एक स्थान पर रुक जाएगा तो आसक्ति पैदा हो सकती है मोह के बंधन में बंध सकता है जिससे उसकी शक्ति बुद्धि और साधना का लाभ संपूर्ण मानव समाज को नहीं मिल पाएगा।

जैन संत ने कहा कि संत को अणगार कहा गया है जो घर रूपी पिंजरे से मुक्त होकर गगन बिहारी बने। संत बनने के उपरांत संपूर्ण धरती उसका आश्रम है संपूर्ण मानवता उसका परिवार है। संत कहीं बंध जाता है तो उसकी आत्मा का भी नुकसान करता है और जनता भी भ्रमित होती है जिस प्रकार सैनिक गर्मी सर्दी आदि की परवाह न करते हुए सीमा पर रक्षा के लिए डटा रहता है। वैसे संत भी भूख प्यास मान और अपमान सर्दी और गर्मी की परवाह न करते हुए आध्यात्मिक क्रांति के लिए घर-घर गांव गली में ज्ञान का संचार करते हुए मानवता को सन्मार्ग प्रदान करता है। कोण्डीतोप संघ ने राष्ट्रसंत के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रवचन के बाद अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था की गई थी।

तमिलनाडु भगदड़ :

जनसभाओं वास्ते दिशानिर्देश तैयार करने के लिए हुई सर्वदलीय बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने 27 सितंबर को करूर में हुई भगदड़ के मद्देनजर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए बृहस्पतिवार को राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे। यह परामर्श बैठक मद्रास उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद आयोजित की गई थी। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से करूर भगदड़ जैसी स्थिति को रोकने के उद्देश्य से राजनीतिक दलों के रोड शो और सार्वजनिक बैठकों को विनियमित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार करने को कहा था। भगदड़ की यह भयावह घटना तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी की सभा के दौरान हुई थी। सभा को पार्टी के संस्थापक अभिनेता-राजनेता विजय ने संबोधित किया था।

राज्य के नगर प्रशासन मंत्री के एन नेहरू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ऽऽहमने सभाओं के दौरान भगदड़ से बचने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाने समेत विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।'' ?

एक सूत्र के अनुसार, सुझावों में यह भी शामिल था कि राजनीतिक दलों से भीड़ के आकार के आधार पर एक जमानत राशि ली जाए। यह अधिकतम 20 लाख रुपये हो सकती है। इस राशि का इस्तेमाल सभाओं के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जा सकता है, अगर कोई नुकसान हुआ हो तो। साथ ही, जनसभाओं में पहुंचने वाले लोगों की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी रैलियां आयोजित करने वाले राजनीतिक दलों पर डाली जानी चाहिए। कहा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दलों की सिफ़ारिशें मसौदा दिशानिर्देशों के रूप में अदालत को सौंपी जायेंगी।

टीवीएस मोटर 288 करोड़ रुपये में रैपिडो में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दोपहिया एवं तिपहिया वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने बाइक-टैक्सी सेवा प्रदाता रैपिडो में अपनी हिस्सेदारी 287.93 करोड़ रुपये में बेचने के लिए समझौते किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि शेयर खरीद समझौता एक्सेल इंडिया 8 (मॉरीशस) लिमिटेड और एमआईएच इन्वेस्टमेंट्स वन बी वी के साथ किया गया है। इसके तहत कंपनी रैपिडो की मूल कंपनी रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में अपनी निवेश हिस्सेदारी को बेचेगी।

टीवीएस मोटर ने वर्ष 2022 में रैपिडो के साथ रणनीतिक साझेदारी की थी ताकि दोनों कंपनियां मांग-आधारित आपूर्ति और वाणिज्यिक परिवहन परिवेश के क्षेत्रों में साझेदारी कर सकें। कंपनी ने यह स्पष्ट किया कि यह हिस्सेदारी बिक्री समझौता नियामकीय अनुमोदन मिलने के अधीन होगा।

कूरियर बॉय ने आईफोन-17 की लूट का नाटक रचा, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर में एक कूरियर बॉय ने दावा किया कि बंदूक की नोंक पर उससे 25 मोबाइल फोन लूट लिए गए, जिनमें 14 नवीनतम आईफोन-17 शामिल थे। लेकिन बृहस्पतिवार को पुलिस ने जांच में खुलासा किया कि यह पूरी घटना एक योजनाबद्ध नकली चोरी थी और वही कूरियर बॉय इसका षडयंत्रकर्ता निकला। पुलिस ने बताया कि यह तथाकथित लूट वास्तव में लगभग 20 लाख रुपए मूल्य के मोबाइल फोन की खेप चुराने की योजना थी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-पूर्व) अभिषेक धानिया ने कहा, हमारी टीम ने उनकी साजिश का भंडाफोड़ किया और घटना को मनगढ़ंत बनाने के आरोप में शिकायतकर्ता सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि सभी 25 मोबाइल फोन - 14 आईफोन 17, 10 वनप्लस डिवाइस और एक वीवो हैंडसेट - को इस कृत्य में इस्तेमाल किए गए दो स्कूटरों के साथ बरामद कर लिया गया है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.